दैनिक

नव प्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ❖❖ 2 | देश विदेश 4 | अभिव्यक्ति 7 | कारोबार/खेल

RNI NO - MPHIN/2020 /81503 जबलपुर, शुक्रवार 11 जुलाई 2025 , कृष्ण पक्ष प्रतिपदा, विक्रम संवत -2082 , वर्ष -4 अंक - 339 पृष्ठ -08 मूल्य-4 रूपए जबलपुर, भोपाल, रायपुर, बिलासपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

गजब बेइज्जती है। पटना में महागठबंधन की रैली में जिस ट्रक पर मंच बनाया गया था उसमें कन्हैया कुमार और पप्पू यादव को चढ़ने नहीं दिया गया। उन्हें धकिया कर खदेड़ दिया गया। मंच पर तेजस्वी यादव और राहुल गांधी के अलावा कई नेता थे। जिसमें से कुछ लल्लू पंजू टाइप ही थे लेकिन कन्हैया कुमार और पप्पू यादव जैसे बड़े नेताओं को वहां जगह नहीं मिली। बेचारे तारा और सितारा अपमान का घूंट पीकर रह गये। खैर अपनी बेइज्जती खराब कराने का भी दोनों को फायदा मिला। मीडिया में तेजस्वी यादव और राहुल गांधी से ज्यादा इन्हें कवरेज मिला।

विधानसभा में जवाब देने सरकार तैयार : साय

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र 14 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। सत्र के दौरान विपक्ष के हमलों का सामना करने के लिए सरकार पूरी तरह से तैयार है। यह बात मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कही।

गुरु पूर्णिमा पर सीएम साय पहुंचे रायगढ़ : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज गुरु पूर्णिमा के अवसर पर रायगढ़ प्रवास के दौरान ग्राम बनोरा स्थित अघोर गुरु पीठ में गुरु दर्शन के लिए पहुंचे। उन्होंने गुरु पीठ आश्रम के उपासना स्थल पर अघोरेश्वर अवधूत भगवान राम जी की प्रतिमा के दर्शन कर प्रदेश की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके साथ ही उन्होंने आश्रम में अघोरेश्वर अवधूत भगवान राम जी के प्रिय शिष्य प्रियदर्शी भगवान राम जी के दर्शन भी किए और मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस अवसर पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी, लोक सभा सांसद राधेश्याम राठिया, राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह, विधायक पुरंदर मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

29 यूट्यूबरों पर मनीलाड्रिंग का मामला दर्ज

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने जुआ खेलने की अवैध एप्लीकेशन को कथित रूप से बढ़ावा देने के लिए 29 अभिनेताओं, इन्फ्लूएंसरों और यूट्यूबरों पर धनशोधन का मामला दर्ज किया है। निदेशालय ने जिन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है उनमें फिल्म अभिनेता विजय देवराकोंडा, राणा दग्गुबाती, प्रकाशराज, निधि अग्रवाल और प्रणीता सुभाष शामिल हैं। तेलंगाना और आंध्रप्रदेश में दर्ज पांच प्राथमिकी के आधार पर धनशोधन रोकथाम अधिनियम के तहत जांच शुरू की गई है। सूत्रों ने बताया है कि प्रवर्तन निदेशालय को संदेह है जंगली रमी, ए टू थ्री, परिमैच और लोटस-365 सहित कुछ प्लेटफॉर्मों के लिए पैसा लेकर प्रचार करने में अवैध धन का लेन-देन हुआ। इन एप्लीकेशन्स के जरिए अर्जित आय की राशि का अनुमान लगाने और हस्तियों की वास्तविक भूमिकाओं का पता लगाने के लिए व्यापक जांच चल रही है।

छत्तीसगढ़ सहित देशभर मध्यम बारिश का अनुमान: मौसम विभाग

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों के लिए मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ में गरज के साथ तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार देश के उत्तरी और पूर्वी हिस्सों जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश और पूर्वी उत्तर प्रदेश, में भी भारी से मध्यम वर्षा का अनुमान है। जबकि पूर्वी राजस्थान और उत्तराखंड में 15 जुलाई तक वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया है कि पूर्वोत्तर भारत, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में अगले 6 दिनों तक ऐसा ही मौसम रहने की संभावना है। वहीं केरल और तटीय कर्नाटक में भी आज तेज वर्षा हो सकती है। कल शाम दिल्ली में हुई मानसूनी बारिश के बाद लोगों को उमस से राहत मिली है। तेज बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव और यातायात बाधित होने की खबर है।

पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा करूंगा: सिद्धारमैया

नई दिल्ली (वार्ता)। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने आज कहा कि वह अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। सिद्धारमैया और उप मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार इस समय दिल्ली में हैं। दोनों को लोकसभा में नेता एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात होनी है। शिवकुमार दिल्ली में ही कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी से बुधवार को मुलाकात कर चुके हैं। सिद्धारमैया ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद के लिए कोई वेकैंसी नहीं है और वह अपना पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा करेंगे।

वोटर लिस्ट जांच पर सुप्रीम कोर्ट का बैलेंसिंग एक्ट जांच जारी रहेगी, आधार, राशन, वोटिंग कार्ड मान्य

नई दिल्ली/नवप्रदेश। बिहार में वोटरलिस्ट की सघन जांच यानी सीरियस इंटेंसिव रिविजन (SIR) को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम निर्देश दिया है. सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के मुताबिक चुनाव आयोग की प्रक्रिया पर रोक नहीं लगाई गई है, लेकिन जिन बुनियादी दस्तावेजो को प्रमाण के तौर पर लेने से आयोग अब तक इनकार कर रहा है, सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें भी जाँच में शामिल करने का निर्देश दे दिया है. सुप्रीम कोर्ट के इस निर्देश के बाद अब मतदाता अपना वोटर इलेक्ट्रॉल कार्ड, आधार कार्ड और राशन कार्ड भी जमा कर सकते हैं. बिहार में चुनाव की अधिसूचना जारी होने से सिर्फ ३ महीने पहले, चुनाव आयोग की वोटरलिस्ट जांच की प्रक्रिया को लेकर सबसे बड़ा विवाद इसी बात पर था कि पहचान साबित करने वाले ये तीनों अहम दस्तावेज प्रक्रिया से बाहर कर दिए गए थे.. इस पूरी प्रक्रिया के खिलाफ कई राजनीतिक दलों और संस्थाओं ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका डाली थी, जिस पर आज अहम सुनवाई हुई. अगली सुनवाई २८ जुलाई को होगी.

सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को बिहार में जारी मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मामले में सुनवाई हुई। कांग्रेस, टीएमसी, राजद, सीपीआई (एम) समेत कई विपक्षी पार्टियों ने बिहार में मतदाता गहन पुनरीक्षण पर रोक लगाने की मांग की। हालांकि, चुनाव आयोग ने याचिकाओं पर आपत्ति जताई और कहा कि चुनाव आयोग का सीधे मतदाताओं से रिलेशन है।

जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने बिहार में मतदाता गहन पुनरीक्षण के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई की। पूर्व अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने चुनाव आयोग की तरफ से पक्ष रखा, जबकि कपिल सिब्बल और गोपाल शंकर ❑ शेष पृष्ठ 6 पर

क्यों जरूरी था बिहार में मतदाता सूची का पुनरीक्षण

सीमावर्ती जिलों से चौकाने वाला आधार डाटा आया सामने

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले आधार कार्ड पंजीकरण को लेकर चौकाने वाला डेटा सामने आया है। इन आंकड़ो ने न सिर्फ प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े किए है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिकता से जुड़ी चिंताओ को भी हवा दे दी है। जहां पूरे राज्य की औसत आधार सैचुरेशन दर 94त्न है, वहीं मुस्लिम बहुल जिलो, जिनका बॉर्डर दूसरे देश से लगा है, वहा यह आंकड़ा 120 फीसदी से भी अधिक पहुंच गया है। सबसे हैरान करने वाला आंकड़ा किशनगंज जिले का है, जहां 68 फीसदी मुस्लिम आबादी है, लेकिन आधार सैचुरेशन 126 फीसदी है। यानी कि वहां हर 100 लोगो पर 126 आधार कार्ड जारी हुए है। यही हालात कटिहार (44प्रतिशत मुस्लिम आबादी, 123प्रतिशत आधार), अररिया (43प्रतिशत, 123प्रतिशत) और पूर्णिया (38प्रतिशत, 121प्रतिशत) जैसे अन्य जिलो मे भी देखने को मिल रहे है। इसका सीधा मतलब यह है कि इन जिलो मे वास्तविक जनसंख्या से कहीं अधिक आधार कार्ड बनाए गए है। आधार सैचुरेशन का तात्पर्य यह है कि किसी क्षेत्र की कुल जनसंख्या की तुलना मे कितने प्रतिशत लोगो ने आधार बनवा लिया है। सामान्यतः यह आंकड़ा 100प्रतिशत के आसपास होना चाहिए, लेकिन जब यह 100 फीसदी से अधिक हो जाता है, ❑ शेष पृष्ठ 6 पर

पांच देशों की सफल यात्रा के बाद दिल्ली लौटे पीएम मोदी

नई दिल्ली(आईएएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी घाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की यात्रा के बाद गुरुवार को भारत लौट आए हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, पीएम मोदी की यह यात्रा सफल रही है। पीएम मोदी ने पांच देशों की अपनी यात्रा में एक बड़ा मुकाम हासिल किया है। उन्होंने अब तक 17 विदेशी संसदों में भाषण दिए, जो कांग्रेस के सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों के कुल रिकॉर्ड के बराबर है। उन्होंने यह उपलब्धि जुलाई 2025 के पहले सप्ताह में घाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो और नामीबिया में दिए हाल ही के भाषणों के साथ हासिल की है। इस वैश्विक सक्रियता से पता चलता है कि पीएम मोदी भारत के सबसे सक्रिय नेताओं में से एक हैं। कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रधानमंत्रियों ने कई दशकों में यह उपलब्धि हासिल की थी, जिनमें मनमोहन सिंह ने सात बार, इंदिरा गांधी ने चार बार, जवाहरलाल नेहरू ने तीन, राजीव गांधी ने दो और पी.वी. नरसिम्हा राव ने एक बार भाषण दिया था। पीएम मोदी ने सिर्फ एक दशक से अधिक समय में यह संख्या हासिल कर ली, जो भारत के कूटनीतिक दृष्टिकोण में बदलाव को दर्शाता है। उनकी हाल की यात्रा न केवल अफ्रीका और कैरिबियन देशों के साथ भारत के नए संबंधों को दर्शाती है, बल्कि ग्लोबल साउथ में भारत की आवाज की गूंज को भी उजागर करती है। पीएम मोदी को घाना में 'ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना से सम्मानित किया गया, जो 30 साल से अधिक समय में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली यात्रा थी। इसके अलावा, ब्राजील ने उन्हें अपने सर्वोच्च सम्मान 'ग्रैंड कॉलर ऑफ द नेशनल ऑर्डर ऑफ द सदर्न क्रॉस से नवाजा। पिछले शुक्रवार को पीएम मोदी को त्रिनिदाद एंड टोबैगो की दो दिवसीय यात्रा के दौरान द ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ त्रिनिदाद एंड टोबैगो सम्मान से सम्मानित किया गया था। वे यह सम्मान प्राप्त करने वाले पहले विदेशी नेता बने हैं। प्रधानमंत्री मोदी को नामीबिया के सर्वोच्च नागरिक ❑ शेष पृष्ठ 6 पर

प्रधानमंत्री मोदी ने दी देशवासियों को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को देशवासियो को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं दीं। गुरु पूर्णिमा का पर्व आध्यात्मिक और शैक्षिक गुरुओ के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए मनाया जाता है। भारतीय परंपरा मे गहराई से जुड़ा यह दिन गुरुओ की महत्वपूर्ण भूमिका को सम्मानित करता है, जो लोगो को अज्ञान से ज्ञान की ओर ले जाते है। पीएम मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, गुरु पूर्णिमा के विशेष अवसर पर सभी को शुभकामनाएं।प्रधानमंत्री के अलावा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी इस शुभ दिन पर देशवासियो को शुभकामनाएं दी और भारतीय संस्कृति मे गुरु-शिष्य के रिश्ते के महत्व को बताया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा, गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर ❑ शेष पृष्ठ 6 पर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की अहम बैठक

■ चार राज्यों से जुड़े 20 एजेंडों पर चर्चा

रांची/नवप्रदेश। पूर्वी क्षेत्रीय अंतरराज्यीय परिषद की 27वीं बैठक गुरुवार को रांची में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में शुरू हो गई है। होटल रेडिशन ब्लू में चल रही इस बैठक में झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के बीच अंतरराज्यीय समन्वय से जुड़े कुल 20 एजेंडों पर चर्चा हो रही है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, उपमुख्यमंत्री पार्वती परिदा और मंत्री मुकेश महालिंग, बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं मंत्री विजय चौधरी और पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य के अलावा चारों राज्यों के कई वरिष्ठ अधिकारी बैठक में उपस्थित हैं।

विभिन्न विषयों पर झारखंड का पक्ष रखने के लिए 15 वरिष्ठ आईएएस-आईपीएस की टीम बैठक में मौजूद है। बैठक में भाग लेने के लिए पहुंचने पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने स्वागत किया।

बैठक में झारखंड-पश्चिम बंगाल के बीच मयूराक्षी डैम जल विवाद, अपर महानंदा जल योजना के तहत फुलबारी डैम की कॉस्ट शेयरिंग, बिहार में इंद्रपुरी जलाशय परियोजना का निर्माण, व्यापक गाद प्रबंधन नीति, बैंक शाखाओं की गांवों में पहुंच, बच्चों-महिलाओं से दुष्कर्म, ❑ शेष पृष्ठ 6 पर

नवीन शासकीय भर्तियों के कार्य की सतत् समीक्षा करें, वरिष्ठ अधिकारी : सीएम यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जानकारी प्राप्त कर दिए निर्देश

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विभिन्न शासकीय विभागों में रिक्त पदों को भरने का कार्य तेजी से पूर्ण किया जाए। रिक्त पदों पर सतत् रूप से नियुक्तियों का कार्य होने से विभागों के नियमित कार्यों में भी गति आ रही है। साथ ही वर्षों पश्चात पदोन्नतियों की प्रक्रिया प्रारंभ किए जाने से भी बड़ी संख्या में पदों पर नियुक्ति का कार्य आसान हो रहा है। वरिष्ठ अधिकारी नवीन शासकीय भर्तियों के कार्य की सतत् समीक्षा करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को समत्व भवन, मुख्यमंत्री निवास में हुई एक बैठक में विभिन्न शासकीय विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती के संबंध में जानकारी प्राप्त कर निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विभागों में नियुक्तियों के कार्य की निरंतर समीक्षा भी की जाए। मुख्य सचिव स्तर और अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा विभागों को समय सीमा में कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया है। इस क्रम में विभागों से पालन ■ शेष पृष्ठ 6 पर

ग्वालियर और रीवा में 9 घंटे में ढाई इंच बारिश: प्रदेश के 15 जिलों में बरसा पानी

दमोह में पुल पर लटकी बस, सीहोर में कार बही

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश में बारिश का दौर जारी है। गुरुवार को 15 जिलों में पानी गिरा। ग्वालियर और रीवा में 9 घंटे में करीब ढाई इंच बारिश दर्ज की गई। दतिया में पौन इंच, टीकमगढ़, सतना और छतरपुर के खजुराहो में आधा इंच पानी गिरा। सीधी, गुना, सागर, उमरिया, दतिया, मऊगंज, दमोह, सिवनी, मऊगंज में भी बारिश का दौर जारी रहा। राजधानी भोपाल समेत ज्यादातर जिलों में मौसम खुला रहा। कई जिलों में लगातार बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं। सागर और सीहोर में दो कारें तेज बहाव में बह गईं। दतिया में एक ऑटो बह गया। ग्वालियर में आधे घंटे की तेज बारिश में ही पॉश कॉलोनियों में पानी भर गया। निचली बस्तियों के घरों में तो कमर तक पानी भर गया।

दमोह में ड्राइवर ने उफनते नाले से बस को पार कराने की कोशिश की। बस बेकाबू होकर पुलिया से नीचे लटक गई। बस में सवार 6 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

सीहोर जिले की रेहटी में एक कार धामंडा नाले में बह गई। कार सवार दो लोगों ने किसी तरह अपनी जान बचाई।

मैहर गुरुवार को दोपहर 2 बजे के बाद तेज बारिश होने लगी। जिससे रेलवे स्टेशन रोड पर पानी भर गया।

दतिया में रिछरा फाटक इलाके का नाला सुबह हुई बारिश से उफान पर आ गया। नाले के

गरमा - गरम

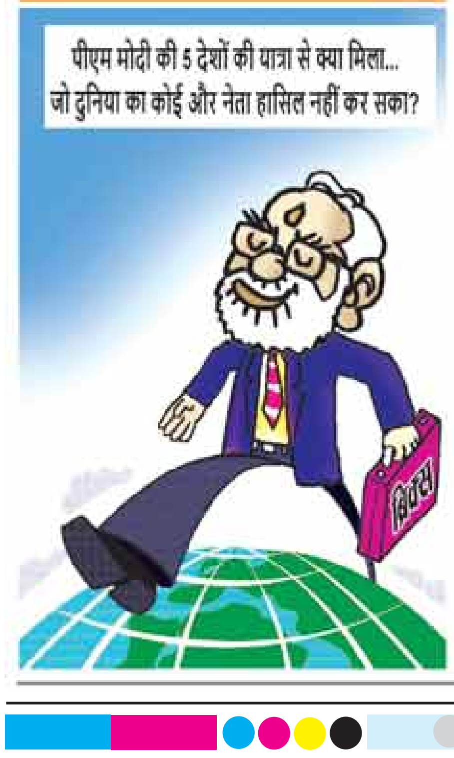

सांदीपनि विद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के केन्द्र बनकर उभरे : सीएम यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य स्तरीय कार्यक्रम में किया नि:शुल्क साइकिल वितरण योजना का शुभारंभ

शासकीय कमला नेहरू सांदीपनि विद्यालय के सर्व सुविधा युक्त भवन का लोकार्पण

36 करोड़ की लागत से निर्मित भवन में प्रयोगशाला, लाइब्रेरी और ऑडिटोरियम की सुविधाएं

स्कूल में टॉप करने वाले विद्यार्थियों को अब दी जाएगी इलेक्ट्रिक स्कूटी

मुख्यमंत्री ने गुरु पूर्णिमा महोत्सव में गुरुजनों का किया सम्मान

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गुणवत्तापूर्ण और रोजगार परक शिक्षा ही किसी देश की मजबूती का आधार है। बेहतर शिक्षा के बूते ही भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा गणतंत्र बनकर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। हमारी वसुधैव कुटुबंकम की भावना से ऋषि-मुनियों के काल में भारतीय ज्ञान से दुनिया के कई देश प्रकाशमान हुए थे। वर्तमान समय में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत का स्वर्णिम काल चल रहा है। मध्यप्रदेश सरकार बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए उन्हें उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षा और सभी सुविधाएं प्रदान करने के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी शिक्षकों एवं छात्रों को गुरु पूर्णिमा महोत्सव की शुभकामानाएं देते हुए कहा कि प्रदेश में 369 सांदीपनि विद्यालय संचालित हो रहे हैं। जहां शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं है, स्कूल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के केंद्र बनकर उभरे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम के लिए महू, देवास, नरसिंहपुर के विद्यालयों को बेहतर शैक्षणिक प्रबंधन विकास के लिए 5-5 लाख रुपए देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को कुलगुरु की संज्ञा दी गई है, क्योंकि गुरु ही हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को शासकीय कमला नेहरू सांदीपनि विद्यालय में आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव को संबोधित कर रहे थे।

प्रतीक स्वरूप 50 विद्यार्थियों को साइकिल वितरित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत स्कूली बच्चों को निःशुल्क साइकिल वितरण के 2 दिवसीय अभियान का शुभारंभ करते हुए 50 विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिलें वितरित कीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का विद्यार्थियों ने एक धुन में साइकिल की घंटी बजाकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिवादन किया। अभियान के पहले दिन विभिन्न जिलों में विद्यार्थियों को 4 लाख 30 हजार साइकिलें बांटी गईं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरु पूर्णिमा के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में गुरुजनों को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए शिक्षक श्री मनोज सोहनी, श्री देवेंद्र बंसल, डॉ. एस.के. पाल, श्री मनोज कौशल, श्री सुरीत दास बनोथे, श्रीमती शुभांगी नामड़े, श्रीमती सारिका ■ शेष पृष्ठ 6 पर

देशभर में भारी बारिश, कई नदियां उफनीं त्रिपुरा में बाढ़...

नई दिल्ली/वाराणसी/नागपुर। देशभर में हो रही मूसलाधार बारिश से कई नदियां उफान पर हैं। यूपी के वाराणसी और प्रयागराज में गंगा और यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। वाराणसी में मणिकर्णिका समेत कई घाट डूब गए गए हैं। नागपुर में मूसलाधार बारिश के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई, एक व्यक्ति पानी की तेज धार में बह गया है और 71 गांव जलमग्न हो गए। दक्षिण त्रिपुरा में भी बारिश ने कहर बरपाया है और 100 से अधिक परिवार बेघर हो गए हैं। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के अनुसार, देश भर में कई नदियां 17 स्थानों पर चेतावनी के स्तर या उससे ऊपर बह रही हैं। इनमें से चार जगहों पर नदियों का पानी खतरे के निशान को पार कर गया है। ये नदियां असम, बिहार, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में फैली हैं।

इधर, दक्षिण त्रिपुरा जिले के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' (सावधान रहें) जारी किया गया है। जबकि गोमती और सिपाहीजाला जिलों के लिए 'येलो अलर्ट' (सतर्क रहें) जारी किया गया है। वहीं बुधवार को मध्यम से भारी बारिश की संभावना है।

कश्मीर में राहत की बौछारें

प्रदेश के कई हिस्सों में बुधवार को बारिश से पारे में गिरावट आई है। किश्तवाड़ जिला मुख्यालय से करीब 60 किलोमीटर दूर पहाड़ी पर बादल फटने से नदी-नालों में उफान आ गया। अभी कहीं से जानमान के नुकसान की सूचना नहीं है। चिनाब में भी जलस्तर बढ़ा है। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर के अनुसार वीरवार को भी रियासी, रामबन, उधमपुर, जम्मू, सांबा और कठुआ के कुछ हिस्सों में भारी बारिश के आसार हैं। शुक्रवार से मौसम में सुधार आएगा।

बंगाल-राजस्थान में भी झमाझम

राजस्थान में यूं तो बारिश जारी है, लेकिन बृहस्पतिवार से इसमें तेजी आने की संभावना है। बीते 24 घंटे के दौरान सबसे अधिक 98 मिमी बारिश हनुमानगढ़ में दर्ज की गई। पूर्वी राजस्थान में 10 जुलाई से और पश्चिमी राजस्थान में 12 जुलाई से भारी बारिश की संभावना जताई गई है। पश्चिम बंगाल के बर्धमान, झारग्राम, पुरुलिया और बांकुड़ा समेत कई जिलों में भारी बारिश हो सकती है। दक्षिण बंगाल के कुछ जिलों में 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी चल सकती हैं।

त्रिपुरा में मुहुरी उफनी

दक्षिण त्रिपुरा जिले में अचानक आई बाढ़ से घरों में पानी भर गया, जिससे 100 से अधिक परिवार बेघर हो गए हैं। एहतियात के तौर पर जिले के सभी स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र बुधवार को बंद करने पड़े। मुहुरी नदी का जलस्तर खतरे के निशान (15.70 मीटर) से ऊपर पहुंच गया है। लगातार बारिश के कारण कई निचले इलाके बाढ़ के पानी में डूब गए। 118 परिवारों के 289 लोग 10 राहत शिविरों में शरण लिए हुए हैं।

सुप्रीम कोर्ट निमिषा की फांसी पर रोक की याचिका पर 14 जुलाई को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली(वार्ता)। उच्चतम न्यायालय हत्या के एक मामले में केरल निवासी नर्स निमिषा प्रिया की यमन में 16 जुलाई को निर्धारित फांसी की सजा पर रोक और उसकी रिहाई के लिए केंद्र सरकार को कूटनीतिक प्रयास करने का निर्देश देने की मांग संबंधी एक याचिका पर 14 जुलाई को सुनवाई करेगी। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की आंशिक कार्य दिवस पीठ ने 'सेव निमिषा प्रिया एक्शन काउंसिल' नामक एक संगठन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता रागेंथ बसंत के शीघ्र सुनवाई के अनुरोध के बाद संबंधित याचिका को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। अधिवक्ता बसंत ने 'विशेष उल्लेख' के दौरान अदालत से यह अनुरोध किया था। वरिष्ठ अधिवक्ता ने पीठ के समक्ष दलील दी कि शरीयत कानून के अनुसार, अगर पीड़ितों के रिश्तेदार 'खूंबहा' स्वीकार करने को तैयार हों, तो किसी व्यक्ति को रिहा किया जा सकता है। खूंबहा का मतलब है कि पीड़ित परिवार को मुआवजे का प्रस्ताव दिया जाये और वे इसे लेने को तैयार हों तो अभियुक्त की सजा माफकी जा सकती है।

स्टेट एसएंडटी काउंसिल को मजबूत करना आत्मनिर्भर 'विकसित भारत' की कुंजी : नीति आयोग

■ **साइंस एंड टेक्नोलॉजी काउंसिल को मजबूत करना आत्मनिर्भर विकसित भारत के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण**

नई दिल्ली(आईएएनएस)। नीति आयोग ने गुरुवार को एक रिपोर्ट में कहा कि राज्यों में साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसएंडटी) काउंसिल को मजबूत करना एक आत्मनिर्भर विकसित भारत के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है। स्टेट एसएंडटी काउंसिल खासकर कृषि, रिन्यूएबल एनर्जी, आपदा प्रबंधन और क्षेत्रीय स्तर पर स्थानीय उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में वैज्ञानिक इनोवेशन और सामाजिक-आर्थिक विकास के बीच की खाई को पाटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

इन काउंसिल ने पेटेंट सुविधा, रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन और जीआई मैपिंग, जमीनी स्तर पर इनोवेशन और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को समर्थन देने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

रिपोर्ट में मंत्रालयों, राज्य सरकारों, वित्त पोषण निकायों, शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों और उद्योग भागीदारों के बीच मजबूत कॉर्डिनेशन का भी आह्वान किया गया है। नीति आयोग के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सदस्यों, जिनमें डॉ. वी. के. सारस्वत भी शामिल हैं, द्वारा लिखित इस रिपोर्ट में कहा गया है, ÷इंटीग्रेटेड अप्रोच भारत के दीर्घकालिक रणनीतिक उद्देश्यों, जैसे एक मजबूत और आत्मनिर्भर विकसित भारत को प्राप्त करने में एक आधारभूत भूमिका निभाएगा, जहां साइंस और इनोवेशन सामाजिक प्रगति, आर्थिक समृद्धि और राष्ट्रीय शक्ति के केंद्र में हों। यह रिपोर्ट राज्यों की एसएंडटी काउंसिल के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों की पहचान करने का भी प्रयास करती है और अलग-अलग पहलों से एक दूरदर्शी इकोसिस्टम की ओर एक महत्वपूर्ण बदलाव को रेखांकित करती है। रिपोर्ट में जिन प्रमुख मुद्दों पर ध्यान दिया गया है, उनमें अपर्याप्त वित्तीय संसाधन और विविधीकरण, राज्य-विशिष्ट एसएंडटी आवश्यकताओं के मानचित्र का अभाव, कमजोर संस्थागत अधिसंरचना, उद्योग और शिक्षा जगत के साथ सीमित सहयोग, खंडित आरएंडडी समर्थन, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार (एसटीआई) डेटा का कम उपयोग, वैज्ञानिक प्रतिभा की अपर्याप्त पहचान, केंद्रीय एजेंसियों और अन्य संस्थानों के साथ कमजोर अंतर्संबंध शामिल हैं।

इस प्रकार यह रिपोर्ट न केवल सुधारों का एक समूह है, बल्कि एक महत्वपूर्ण अवसर भी है जो ग्लोबल रिसर्च, डेवलपमेंट और इनोवेशन परिदृश्य में भारत के भविष्य को आकार देने में मदद कर सकता है। यह एक सामूहिक दृष्टिकोण के माध्यम से भारत को साइंस एंड टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अग्रणी बनाने में भी मदद कर सकता है।

यह रिपोर्ट स्ट्रक्चरल गैप और अवसरों को दर्शाती है

नीति आयोग द्वारा आयोजित व्यापक परामर्श, एक नेशनल वर्कशॉप और बहु-हितधारक सहभागिता पर आधारित रोडमैप फॉर स्ट्रेथनिंग स्टेट एसएंडटी काउंसिल शीर्षक वाली यह रिपोर्ट स्ट्रक्चरल गैप और अवसरों को दर्शाती है।

वडोदरा में 24 घंटे बाद भी जारी है राहत और बचाव कार्य, अब तक 13 मौतें

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा जिले में बुधवार को बड़ा हादसा हुआ, जब वडोदरा और आंणद जिले को जोड़ने वाला महिसागर नदी पर बना गंभीरा पुल अचानक ढह गया। यह हादसा पडरा क्षेत्र में हुआ। हादसे में अब तक 13 लोगों के मौत की पुष्टि हुई। वहीं घटना के 24 घंटे बाद भी राहत और बचाव कार्य जारी है। हालांकि गुरुवार की सुबह वडोदरा के कलेक्टर अनिल धमेलिया घटनास्थल पर पहुंचे और राहत व बचाव कार्यों का जायजा लिया।

एसडीआरएफकी टीमें कर रहीं रेस्क्यू ऑपरेशन

गुजरात स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फोर्स (एसडीआरएफ) की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं। गोताखोरों की मदद से नदी में फंसे लोगों को खोजने का काम चल रहा है। वहीं स्थानीय प्रशासन भी मशीनों और बोट के जरिए मलबा हटाने में जुटा हुआ है। बता दें कि बुधवार को पुल पर कई लोग और वाहन एक साथ गुजर रहे थे, तभी अचानक उसका एक हिस्सा टूटकर नदी में गिर गया। कई वाहन और लोग नदी में गिर गए। हादसे के सही कारणों की जांच की जा रही है।

एनडीआरएफ की छठी बटालियन के कमांडेंट सुरेंद्र सिंह ने कहा गुजरात के पादरा तालुका में दुखद घटना घटी। जिला प्रशासन ने एनडीआरएफ की एक टीम की मांग भेजी थी। टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गई। जब मैं घटनास्थल पर पहुंचा, तो मुझे लगा कि एक और टीम की जरूरत है, जिसे बाद में तैनात किया गया। जरूरत को देखते हुए एक और उप-टीम भी तैनात की गई। पिछले 24 घंटों से हम वाहनों को बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं, हमारे गोताखोरों ने शवों की जांच की है और उन्हें बाहर निकाला है।

पीएम मोदी ने किया मुआवजे का ऐलान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, गुजरात के वडोदरा जिले में एक पुल के ढहने से हुई जनहानि बेहद दुखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

रूस ने भारतीय श्रमिकों की भर्ती संबंधी रिपोर्टों को खारिज किया

मास्को(वार्ता)। रूस के श्रम मंत्रालय ने आज उन रिपोर्टों को सिरे से खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि वह 2025 के अंत तक भारत से 10 लाख श्रमिकों की भर्ती करने की योजना बना रहा है। मॉस्को टाइम्स ने बुधवार को यूराल चैंबर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्री के प्रमुख आंद्रेई बेसेदिन के हवाले से कहा था कि भारतीय कामगारों के आने से देश में बढ़ती श्रमिकों की कमी दूर होगी। बेसेदिन ने कहा था कि रूस वर्तमान में विशेष रूप से स्वेर्दलोवस्क क्षेत्र में श्रमिकों की कमी का सामना कर रहा है।

पीएम ने दी राजनाथ सिंह को जन्मदिन की बधाई, भारत को आत्मनिर्भर बनाने में उनका योगदान सराहनीय

नई दिल्ली(आईएएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गुरुवार को अपना 74वां जन्मदिन मना रहे हैं।खास अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। पीएम मोदी ने कहा कि अपनी कड़ी मेहनत और समझदारी से उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है। पीएम मोदी ने रक्षा मंत्री के भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों की भी सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ÷रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को जन्मदिन की शुभकामनाएं। वे अपनी मेहनत और बुद्धिमत्ता के लिए प्रसिद्ध हैं। रक्षा क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने और हमारी सेनाओं को मजबूत करने में उनका योगदान सराहनीय है। ईश्वर से उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की प्रार्थना करता हूं। वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजनाथ सिंह को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, ÷भारतीय राजनीति में आदर्श, शुचिता और संयम की प्रतिमूर्ति, भाजपा परिवार के वरिष्ठ सदस्य और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। आपका पांच दशकों से अधिक का सार्वजनिक जीवन राष्ट्रनीति, राष्ट्रीय सुरक्षा और नैतिक राजनीति का उज्ज्वल उदाहरण है।

भारत पोस्ट के पास दुनिया बदलने की ताकत : सिंधिया

बंगलूरू। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने भारत पोस्ट की ताकत और उसके भविष्य को लेकर एक बड़ी बात कही है। बेंगलुरु में आयोजित 'ग्रामीण डाक सेवक सम्मेलन' में उन्होंने कहा कि भारत पोस्ट जैसा कोई दूसरा वितरण नेटवर्क पूरी दुनिया में नहीं है। उन्होंने डाक विभाग के कर्मचारियों से अपील की कि वे भारत पोस्ट को विश्व की सबसे बड़ी लॉजिस्टिक्स संस्था बनाने की दिशा में काम करें।

सिंधिया ने कहा कि आज भारत पोस्ट के पास पूरे देश में 1.64 लाख से ज्यादा सेवा केंद्र हैं, जो कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी और भरूच से लेकर तवांग तक फैले हुए हैं। उन्होंने कहा कि इतनी गहरी और व्यापक पहुंच किसी और संस्था के पास नहीं है। यह नेटवर्क देश के हर कोने तक लोगों और सेवाओं को जोड़ता है, जो भारत की सबसे बड़ी ताकतों में से एक है।

डिजिटल उपकरणों से हो रहा डाकघर का आधुनिकीकरण

उन्होंने बताया कि डाकघर अब आधुनिक हो रहे हैं। हाथ में पकड़े जाने वाले डिजिटल उपकरण और 'दर्पण' जैसी तकनीकें डाक विभाग में आ चुकी हैं। लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सिर्फतकनीक से बदलाव नहीं होगा, जब तक कि कर्मचारियों का काम करने का तरीका नहीं बदलेगा। असली बदलाव कर्मचारियों की सोच और कार्यशैली में नयापन लाने से ही आएगा।

बंगलूरू में ईडी की बड़ी कार्रवाई सुब्बा रेड्डी के ठिकानों पर छापेमारी

बंगलूरू। प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए कर्नाटक के विधायक एसएन सुब्बा रेड्डी और उनके परिजनों के खिलाफ विदेशी संपत्तियों को कथित तौर पर छुपाने को लेकर जांच शुरू कर दी है। फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट की धारा 37 के तहत ईडी ने बंगलूरू के 5 अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की। विधायक सुब्बा रेड्डी के आवास, उनके व्यावसायिक प्रतिष्ठान और करीबी सहयोगियों के ठिकानों पर ईडी तलाशी अभियान चला रही है। यह छापेमारी कथित तौर पर उनके और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा विदेशों में अघोषित संपत्ति रखने और अवैध निवेश के आरोपों के आधार पर की जा रही है। ईडी के मुताबिक, एसएन सुब्बा रेड्डी और उनके परिजनों पर विदेशी खातों में भारी राशि जमा कराने समेत मलेशिया, हांगकांग और जर्मनी में अचल संपत्तियों में निवेश करने के आरोप हैं।

मुनक नहर पर 3 हजार करोड़ की लागत से बनेगा एलिवेटेड रोड

नई दिल्ली(आईएएनएस)। रेखा गुप्ता सरकार ने गुरुवार को दिल्ली जल बोर्ड की बैठक में मुनक नहर को लेकर बड़ा फैसला किया है। सरकार ने मुनक नहर पर 3 हजार करोड़ की लागत से एलिवेटेड रोड के डीपीआर को मंजूरी दे दी है। जानकारी के अनुसार, सरकार ने मुनक नहर पर एलिवेटेड रोड बनाने के लिए हरियाणा सरकार से एनओसी मांगी है। बताया जा रहा है कि एलिवेटेड रोड की लंबाई करीब 20 किलोमीटर होगी और इसे बवाना से इंद्रलोक तक बनाया जाएगा। इस प्रोजेक्ट को पूरा करने की जिम्मेदारी नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) की होगी। एलिवेटेड रोड का डीपीआर 3 महीने में पूरा होगा। इस प्रोजेक्ट के 3 साल में पूरा होने का अनुमान है। प्रस्तावित एलिवेटेड रोड 2 लोकसभा, 18 विधानसभा और 35 एमसीडी वार्ड को कवर करेगा। एनएचएआई एलिवेटेड रोड बनाएगा, जबकि मुनक कैनाल की बाउंड्री, इलेक्ट्रिक वर्क और रखरखाव की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी के अधीन होगी। प्रोजेक्ट के पूरा होने से रोजाना लाखों लोग एलिवेटेड रोड का इस्तेमाल कर पाएंगे।

आलोचना... जो हमारी बुनियादी प्राथमिकता होनी चाहिए थी, वह तो विचार के दायरे में भी नहीं थी

भारतीय ज्ञान को दरकिनार कर पश्चिमी अवधारणाओं को सार्वभौमिक सत्य बताया गया

नई दिल्ली(वार्ता)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भारतीय ज्ञान प्रणाली को योजनाबद्ध ढंग से दरकिनार किए जाने तथा पश्चिमी अवधारणाओं को सार्वभौमिक सत्य के रूप में प्रस्तुत करने की आलोचना करते हुए कहा है कि यह मिटाने,नष्ट करने तथा विकृत करने की योजना के तहत किया गया और दुखद बात यह है कि आजादी के बाद भी यह सिलसिला चलता रहा।

उन्होंने कहा कि भारतीय विचारों को केवल आदिम और पिछड़ेपन का प्रतीक मानकर खारिज करना केवल एक व्याख्यात्मक भूल नहीं थी। यह मिटाने, नष्ट करने और विकृत करने की योजना थी। इससे भी अधिक दुखद यह है कि स्वतंत्रता के बाद भी यह चलता रहा। उन्होंने कहा कि पश्चिमी अवधारणाओं को सार्वभौमिक सत्य के रूप में प्रस्तुत किया गया। साफ़ शब्दों में कहें तो असत्य को सत्य के रूप में सजाया गया।

उन्होंने सवाल किया,जो हमारी बुनियादी प्राथमिकता होनी चाहिए थी, वह तो विचार के दायरे में भी नहीं थी। हम अपनी मूल मान्यताओं को कैसे भूल सकते हैं?

धनखड़ ने कहा , भारत का वैश्विक शक्ति के रूप में उदय उसकी बौद्धिक और सांस्कृतिक गरिमा के उत्थान के साथ होना चाहिए। यह अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि ऐसा उदय ही टिकाऊ होता है और हमारी परंपराओं के अनुकूल होता है। एक राष्ट्र की शक्ति उसकी सोच की मौलिकता, मूल्यों की सामयिकता और बौद्धिक परंपरा की दृढ़ता में निहित होती है। यही सॉफ्ट पावर है जो दीर्घकालिक होता है और आज के विश्व में अत्यंत प्रभावशाली है।÷

भारत चेतना, जिज्ञासा और ज्ञान की प्रवाहित नदी के रूप में एक सतत सभ्यता

धनखड़ ने गुरूवार को यहां भारतीय ज्ञान प्रणाली पर पहले वार्षिक सम्मेलन में औपनिवेशिक मानसिकता से परे भारत की पहचान को पुनः स्थापित करते हुए कहा कि भारत केवल 20वीं सदी के मध्य में बना राजनीतिक राष्ट्र नहीं है, बल्कि यह चेतना, जिज्ञासा और ज्ञान की प्रवाहित नदी के रूप में एक सतत सभ्यता है।

■ न्यूज गैलरी

आटा चक्की के पट्टे में साड़ी फंसी, महिला की मौत

मऊगंज में 1 मिनट में शरीर के टुकड़े-टुकड़े हुए; लाश को पोटली में समेटना पड़ा

मऊगंज/नवप्रदेश। मऊगंज के नईगढ़ी थाना क्षेत्र के सेंगरवार कुर्मियान गांव में बुधवार शाम एक महिला की आटा चक्की (फ्लोर मिल) के बेल्ट की चपेट में आने से मौत हो गई। 15 हॉर्स पावर की मोटर के बेल्ट में फंसने से महिला का शरीर कई हिस्सों में कट गया। बताया जा रहा है कि हादसे में एक मिनट से भी कम वक्त लगा। कुर्मियान गांव के राम नारायण पटेल तेल मिल और आटा चक्की चलाते हैं। उनकी पत्नी रामरती (42) भी इस काम में हाथ बंटाती थी। बुधवार शाम को रामरती एक ग्राहक को तेल देने के लिए मशीन के पास गई थी। इसी दौरान उसका पल्लू आटा चक्की के बेल्ट में फंस गया। लोगों के मशीन बंद करने से पहले ही रामरती का का शरीर कई हिस्सों में कट चुका था।

शव के टुकड़ों को मॉर्चुरी लाया गया

शोर सुनकर आसपास और परिवार के लोग फौरन मौके पर पहुंचे। नईगढ़ी थाना पुलिस को सूचना दी गई। प्रधान आरक्षक राकेश कुमार सिंह के अनुसार, महिला के शव के टुकड़ों को पोटली में बांधकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नईगढ़ी की मॉर्च्युरी लाया गया।

रामरती की तीन बेटियां और एक बेटा

रामरती के पति रामनारायण ने आठ साल पहले आटा चक्की और तेल मिल की शुरुआत की थी। रामरती की तीन बेटियां और एक बेटा है। बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है।

साइकिल से मिलेगी रफ्तार - स्कूल समय पर पहुंचने में होगी आसानी

नि:शुल्क साइकिल प्राप्त होने पर विद्यार्थियों ने दिया मुख्यमंत्री डॉ. यादव को धन्यवाद

भोपाल/नवप्रदेश। शासन की निःशुल्क साइकिल वितरण योजना के अंतर्गत कमला नेहरू सांदीपनि कन्या विद्यालय, भोपाल में आयोजित निःशुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम में जब विद्यार्थियों को साइकिलें प्राप्त हुईं, तो उनके चेहरे खुशी से खिल उठे। निःशुल्क साइकिल प्राप्त होने पर वे अत्यंत प्रसन्न हैं और इसके लिए म.प्र. शासन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को हृदय से धन्यवाद ज्ञापित कर रहे हैं। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, टीलाखेड़ी की कक्षा 9वीं की छात्रा कुमारी रिया भारती ने मुख्यमंत्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा, ÷अब हमें स्कूल समय पर पहुंचने में आसानी होगी। धन्यवाद मुख्यमंत्री जी।÷ इसी विद्यालय की कुमारी पूजा खन्ना ने कहा कि ÷पैदल विद्यालय पहुंचने में अधिक समय लगता था, अब में 10 मिनिट में विद्यालय पहुंच जाऊंगी। मैं अपने मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद देती हूँ।÷

कुमारी सिमरन गौर ने भी निःशुल्क साइकिल प्रदाय योजना के प्रति प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार माना। कुमारी सिमरन ने कहा कि ÷निःशुल्क साइकिल प्राप्त होने से जीवन में रफ्तार प्राप्त हुई हैं। अब हम आत्मविश्वास के साथ विद्यालय जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस अवसर पर कहा कि ÷प्रदेश सरकार का संकल्प है कि कोई भी विद्यार्थी केवल साधन के अभाव में शिक्षा से वंचित न रहे। निःशुल्क साइकिल वितरण योजना से विद्यार्थी आत्मनिर्भर बनेंगे, समय की बचत होगी तथा उनकी उपस्थिति में भी सुधार आएगा।÷ उन्होंने छात्र-छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें परिश्रम और लगन के साथ अध्ययन करने की प्रेरणा दी।

प्रदेश सरकार द्वारा संचालित निःशुल्क वितरण योजना न केवल विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करती है, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में समावेशी विकास का मार्ग भी प्रशस्त करती है। छात्राओं ने कहा कि वे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा चलाई जा रही इस लोकहितकारी एवं दूरदर्शी पहल के लिए उनका हृदय से धन्यवाद करते हैं।

मैजिक वाहन ने युवक को कुचला, 20 फीट तक घसीटा

देवास में सड़क पार करते समय मारी टक्कर; लोगों ने रोका, लेकिन नहीं रुका

देवास/नवप्रदेश। देवास में एक मैजिक वाहन ने 40 साल के युवक को कुचल दिया। उसे 20 फीट तक घसीटते हुए ले गया। वह सड़क पार कर रहा था, तभी वाहन ने उसे टक्कर मारी थी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना गुरुवार सुबह 8 बजे सिविल लाइन थाना क्षेत्र में एलएनबी क्लब के सामने की है। युवक मैजिक वाहन के नीचे ही फंस गया था। उसकी शिनाख्त अभी नहीं हो सकी है। एएसपी जयवीर सिंह भदौरिया ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर ड्राइवर को हिरासत में लिया है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जा रही है।

लोगों ने वाहन को रोका, ड्राइवर नहीं रुका

हादसे के बाद पास मौजूद लोगों ने ड्राइवर को रोकने की कोशिश की, लेकिन ड्राइवर नहीं रुका। वह युवक को आनंदबाग इलाके में छोड़कर भाग गया। लोगों की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बनाएंगे नई टीम

प्रदेश के समर्पित कार्यकर्ताओं को मिलेगा मौका

मध्य प्रदेश भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल अब प्रदेश में अपनी नई टीम बनाएंगे। प्रदेश कार्यकारिणी समिति से सांसद और विधायक बाहर होंगे।

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश भाजपा में संगठनात्मक फेरबदल की प्रक्रिया तेज हो गई है। हाल ही में प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किए गए हेमंत खंडेलवाल को पार्टी नेतृत्व ने अपनी नई कार्यकारिणी गठित करने की पूरी अनुमति दे दी है। वे प्रदेशभर से अनुभवी और समर्पित कार्यकर्ताओं को शामिल कर एक नई टीम तैयार करेंगे। जानकारी के अनुसार पार्टी की नीति ÷एक व्यक्ति, एक पद÷ के तहत वर्तमान कार्यकारिणी में शामिल सांसदों, मंत्रियों और विधायकों को संगठनात्मक दायित्वों से मुक्त किया जाएगा। इस समय पार्टी की प्रदेश इकाई में सात सांसद, एक कैबिनेट मंत्री और छह विधायक विभिन्न पदों पर कार्यरत हैं।

मोर्चा संगठनों में भी होंगे बदलाव

भाजपा के सात मोर्चा संगठनों में से तीन की कमान वर्तमान में सांसदों के पास है और एक मोर्चा कैबिनेट मंत्री के जिम्मे है। सांसद बनने के बाद इन नेताओं की व्यस्तता बढ़ गई है, जिससे मोर्चों के कामकाज पर असर पड़ा है। महिला मोर्चा की अध्यक्ष माया नारोलिया राज्यसभा सांसद बनने के बाद से सीमित सक्रियता में हैं। किसान मोर्चा के दर्शन चौधरी सांसद बन चुके हैं और ओबीसी मोर्चा के प्रमुख अब प्रदेश सरकार में मंत्री हैं। खुद मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने मोर्चे की जिम्मेदारी से मुक्त करने का अनुरोध पार्टी से कर दिया है।

दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व से हुई चर्चा

प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल हाल ही में दिल्ली में पार्टी के शीर्ष नेताओं से मुलाकात कर चुके हैं। इसमें उन्हें नई कार्यकारिणी के गठन को लेकर पूरी सहमति मिल गई है। अब माना जा रहा है कि एक महीने के भीतर भाजपा प्रदेश संगठन की नई टीम की घोषणा कर दी जाएगी, जिसमें अनुभवी और युवा कार्यकर्ताओं का संतुलन होगा।

नई टीम में नए चेहरों को मिलेगा मौका

पार्टी की रणनीति है कि संगठन के कार्यों को पूर्णकालिक रूप से निभाने वाले ऐसे कार्यकर्ताओं को आगे लाया जाए, जिनकी जमीनी पकड़ मजबूत है और जो संगठनात्मक कामकाज में सक्रिय हैं। इसी के तहत अब नए और कम चर्चित लेकिन प्रभावी चेहरों को प्रदेश टीम में स्थान मिल सकता है। भाजपा सूत्रों का कहना है कि नई कार्यकारिणी में युवाओं, महिलाओं और सामाजिक दृष्टि से विविध प्रतिनिधित्व पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

सीहोर के कुबेरेश्वर धाम 3 लाख श्रद्धालु पहुंचे

गुरु पूर्णिमा पर खंडवा में एक लाख लोगों ने धूनी वाले दादा के दर्शन किए

खंडवा/छतरपुर/सीहोर/नवप्रदेश। गुरु पूर्णिमा पर गुरुवार को मध्यप्रदेश के संत समाधियों, गुरुकुलों और आश्रमों में भारी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। उज्जैन के सांदीपनि आश्रम, सीहोर के कुबेरेश्वर धाम, छतरपुर के बागेश्वर धाम और खंडवा के दादाजी धाम मंदिर में पर्व को लेकर विशेष अनुष्ठान हो रहे हैं।

सीहोर के कुबेरेश्वर धाम शाम 6 बजे तक 3 लाख श्रद्धालु पहुंचे। पं. प्रदीप मिश्रा ने कहा- आप जिस भगवान को मानते हैं उसे अपना गुरु भी मानें। कुबेरेश्वर धाम में इस बार 10 से अधिक पंडाल और डोम के बाद भी बड़ी संख्या में आ रहे श्रद्धालुओं के लिए जगह कम पड़ रही है।

छतरपुर के बागेश्वर धाम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव बुधवार को शुरू हो गया था। पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने गुरुवार को भगवान बालाजी की पूजा अर्चना के बाद श्रद्धालुओं और शिष्यों से मुलाकात की। धाम पर सुंदरकांड और भजन चल रहा है।

खंडवा के दादाजी धाम मंदिर में आरती के बाद भक्तों का मेन गेट से प्रवेश बंद किया गया है। इसकी जगह 6 नंबर गेट से प्रवेश शुरू कराया गया है। 6 नंबर गेट पर 40 हजार भक्तों की क्षमता वाला वाटरप्रूफ डोम बनाया गया है। जितने लोग निकल रहे हैं, उससे तीन गुना लोगों का प्रवेश हो रहा है।

9 निकायों में उपचुनाव, बीजेपी का 6 वार्डों पर कब्जा : कांग्रेस को शहडोल, बिछिया, सांवेर में जीत

ककरहटी में हीरालाल निर्विरोध विजयी

भोपाल/नवप्रदेश। बीजेपी ने प्रदेश के 9 नगरीय निकायों में हुए पार्षदों के एक-एक पद के उपचुनाव में छह पर जीत हासिल की है, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के तीन पार्षद प्रत्याशी जीते हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव परिणामों की घोषणा कर दी है।

राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव अभिषेक सिंह ने बताया कि प्रदेश के 9 नगरीय निकायों में हुए मतदान के बाद आज पार्षद के उप निर्वाचन के परिणाम घोषित किये गए। जीत के बाद प्रत्याशियों को प्रमाण पत्र सौंपे गए हैं। इस उपचुनाव में पन्ना जिले के नगरीय निकाय ककरहटी के वार्ड 13 में भारतीय जनता पार्टी के हीरालाल आदिवासी निर्विरोध निर्वाचित घोषित किये गए हैं।

इन निकायों में इन्हें मिली जीत

भोपाल जिले के नगरीय निकाय बैरसिया के वार्ड 7 में भारतीय जनता पार्टी की शाइस्ता सुल्तान

नगरीय निकाय सिवनी के वार्ड 11 में भारतीय जनता पार्टी की निधि

इंदौर जिले के नगरीय निकाय सांवेर के वार्ड 7 में कांग्रेस की हसीना इंदौर के नगरीय निकाय गौतमपुरा के वार्ड 15 में भारतीय जनता पार्टी के शंकरलाल

मंडला जिले के नगरीय निकाय बिछिया के वार्ड 13 में कांग्रेस की राजकुमारी धुर्वे

शहडोल जिले के नगरीय निकाय खांड के वार्ड 8 में इंडियन नेशनल कांग्रेस के शशिधर त्रिपाठी

छिंदवाड़ा जिले के नगरीय निकाय न्यूटन चिखली के वार्ड 4 में भारतीय जनता पार्टी की निकिता बरखे

खरगोन जिले के नगरीय निकाय भीकनगांव के वार्ड 5 में भारतीय जनता पार्टी की कमलेश कौशल

पन्ना जिले के नगरीय निकाय ककरहटी के वार्ड 13 में भारतीय जनता पार्टी के हीरालाल आदिवासी निर्विरोध

बाइक सवारों को कुचलती निकल गई कार

सड़क पर आधा घंटा तड़पते रहे युवक, इंदौर रेफर; गुरु पूर्णिमा पर जा रहे थे इंद्र टेकरी

खरगोन/नवप्रदेश। खरगोन में एक कार बाइक सवारों को कुचलते हुए निकल गई। बाइक पर सवार दो युवक नीचे गिरने के बाद आधा घंटे तक तड़पते रहे। इसके बाद मौके पर उपस्थित लोग उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां उनको प्राथमिक उपचार देने के बाद इंदौर रेफर किया गया। दोनों युवक गुरु पूर्णिमा पर इंद्र टेकरी दर्शन करने के लिए जा रहे थे। हादसा खरगोन में इंदौर रोड पर गुरुवार दोपहर 2.30 बजे केंद्रीय विद्यालय के पास हुआ। घायलों की पहचान अघावन निवासी 18 वर्षीय विजय (पिता प्रेमसिंह) और बेसरकुण्ड के 20 वर्षीय जितेंद्र के रूप में हुई है। हादसे के बाद वे काफी देर तक सड़क पर पड़े रहे। स्थानीय लोगों ने मदद करते हुए निजी वाहनों से उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया। दोनों के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में अंदरूनी चोटें आई हैं। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को आईसीयू में भर्ती किया। उनकी स्थिति को देखते हुए इंदौर रेफर कर दिया गया है। घटना के बाद कार चालक वाहन समेत फरार हो गया।

सावन माह में भोपाल से उज्जैन के लिए स्पेशल ट्रेन का संचालन

भोपाल,सीहोर, शाजापुर के यात्रियों को फायदा

सावन माह में भोपाल से उज्जैन महाकाल जाने वाले यात्रियों को लिए रेलवे ने स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन संत हिरदाराम नगर, सीहोर, कालापीपल, शुजालपुर, अकोदिया, कालीसिंध, बेरछा, मक्सी और तराना स्टेशनों पर भी रुकेंगी।

भोपाल/नवप्रदेश। सावन माह में भोपाल से उज्जैन महाकाल जाने वाले यात्रियों को लिए रेलवे ने स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। इसकी शुरूआत 10 जुलाई आज से हो रही है। भोपाल से रोज रात 2.15 बजे ट्रेन रवाना होगी, जो अगले दिन सुबह 7.20 बजे उज्जैन पहुंचेंगी। वहीं, उज्जैन से रात 9 बजे रवाना होकर 1.05 बजे भोपाल रेलवे स्टेशन पहुंचेंगी।

यहां के यात्रियों को मिलेगा फायदा

यह ट्रेन संत हिरदाराम नगर, सीहोर, कालापीपल, शुजालपुर, अकोदिया, कालीसिंध, बेरछा, मक्सी और तराना स्टेशनों पर भी रुकेंगी। इससे भोपाल, सीहोर, शाजापुर और उज्जैन के यात्रियों को फायदा मिलेगा। सावन के चलते लाखों श्रद्धालुओं को ट्रेन का फायदा मिलेगा।

ट्रेन का यह शेड्यूल

गाड़ी संख्या 09313 उज्जैन-भोपाल स्पेशल 10 जुलाई से 31 अगस्त तक उज्जैन से प्रतिदिन रात 9 बजे चलेगी, जो तराना रोड पर रात 9.30 बजे पहुंचेंगी। इस तरह मक्सी में रात 9.45 बजे, बेरछा में रात 10.02 बजे, कालीसिंध में रात 10.15 बजे, अकोदिया में रात 10.35 बजे, शुजालपुर में रात 10.48 बजे, कालापीपल में रात 11.05 बजे, सीहोर में रात 11.36 बजे, संत हिरदाराम नगर में रात 12.40 बजे और भोपाल रेलवे स्टेशन पर रात 1.05 बजे पहुंचेंगी।

11 जुलाई से 1 सितंबर तक संचालन

इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 09314 भोपाल-उज्जैन पैसेंजर 11 जुलाई से 1 सितंबर तक भोपाल से प्रतिदिन रात 2.15 बजे चलेगी। इसके बाद यह संत हिरदाराम नगर पर रात 2.38 बजे, सीहोर में रात 3.10 बजे, कालापीपल में रात 3.40 बजे, शुजालपुर में सुबह 4.20 बजे, अकोदिया में सुबह 5.40 बजे, कालीसिंध में सुबह 5.10 बजे, बेरछा में सुबह 5.25 बजे, मक्सी में सुबह 5.55 बजे, तराना रोड पर सुबह 6.20 बजे और उज्जैन में सुबह 7.20 बजे तक पहुंचेंगी। प्रत्येक स्टेशन पर ट्रेन 2-2 मिनट के लिए रुकेंगी।

अनारक्षित है ट्रेन

रेलवे के अनुसार, यह ट्रेन पूरी तरह अनारक्षित है और मेल/एक्सप्रेस ट्रेन के अनुसार सामान्य श्रेणी का किराया लगेगा। कोच कंपोजीशन के अनुसार, गाड़ी में 7 सामान्य श्रेणी, 2 एसएलआरडी सहित 09 कोच रहेंगे।

5 करोड़ की सरकारी जमीन से अवैध कब्जा हटाया

अनंतपुर में प्रशासन की बड़ी कार्रवाई; नोटिस के बाद भी नहीं माने तो प्रशासन ने तोड़ा निर्माण

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के अनंतपुर में गुरुवार को जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। हुजूर एसडीएम विनोद सोनकिया की मौजूदगी में अमले ने सरकारी जमीन पर खड़े पक्के निर्माण को जमींदोज कर दिया।

कब्जा मुक्त कराई गई जमीन की कीमत 5 करोड़ रुपए बताई जा रही है। तहसीलदार अनुराग त्रिपाठी ने कब्जा हटाने के आदेश दिए थे। कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल भी तैनात किया गया। ताकि, हंगामा होने पर सख्ती से निपटा जा सके। पुलिस ने सड़क के दोनों ओर से बेरिकेडिंग भी की थी। इस मामले में तहसीलदार त्रिपाठी ने नोटिस भी जारी किया था। बावजूद निर्माण नहीं तोड़ा गया। सोहेल अहमद निवासी अनंतपुर का जमीन पर कब्जा था। 3 हजार स्क्वायर फीट जमीन पर ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर का व्यवसायिक निर्माण कर कब्जा किया था।

सड़क किनारे ही बनाया निर्माण

अनंतपुर की मुख्य सड़क पर ही पक्का निर्माण किया गया था। इसे लेकर शिकायत भी हुई थी। जिसके बाद एसडीएम, तहसीलदार समेत पुलिस अमले ने यह कार्रवाई की।

सुविचार

शब्द सिर्फवाक्य की शोभा बढ़ाते हैं, समझने वाले तो कोरे कागज और मौन को भी समझ लेते हैं। - अज्ञात

नीतीश कुमार का मास्टरस्ट्रोक

बिहार विधानसभा चुनाव में अभी चार महीने का समय बाकी है। इसलिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास लोकलुभावन घोषणाएं करने के लिए पर्याप्त समय है। जिसका सदुपयोग करते हुए उन्होंने मास्टरस्ट्रोक लगाना शुरू कर दिया है। बिहार कैबिनेट की बैठक में बिहार प्रदेश की महिलाओं को सरकारी नौकरी में 35 प्रतिशत आरक्षण देने के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी गई। महिला सशक्तिकरण की दिशा में बिहार सरकार का यह फैसला निश्चित रूप से सराहनीय है और अन्य प्रदेशों को लिए अनुकरणीय भी है। निश्चित रूप से आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए को इसका लाभ मिलेगा। आधी आबादी को साधने में नीतीश कुमार का यह मास्टरस्ट्रोक एक बार फिर बिहार में एनडीए की सरकार बना सकता है। वैसे भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने कार्यकाल में महिलाओं के हित में कई कारगर कदम उठाते रहे हैं। जब वह पहली बार बिहार के मुख्यमंत्री बने थे तब उन्होंने पहले पहल स्कूली छात्राओं को निःशुल्क साइकिल और स्कूल ड्रेस देने की घोषणा की थी। बाद में कई अन्य राज्यों ने भी स्कूली छात्राओं को निःशुल्क साइकिल देना शुरू किया था। नीतीश कुमार ने बिहार में महिलाओं को त्रिस्तरीय पंचायतों में पचास प्रतिशत आरक्षण देने की भी शुरूआत की थी। जिससे महिलाओं की राजनीति में भागीदारी बढ़ी थी। इसी तरह उन्होंने बिहार की महिलाओं की मांग पर बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू करने का ऐतिहासिक फैसला लिया था। हालांकि शराबबंदी करने से बिहार सरकार को राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है। लेकिन बिहार की महिलाएं नीतीश कुमार की मुरीद हो गई हैं। क्योंकि अब पुरूष शराब पर फिजूलखर्ची नहीं करते और घरेलू हिंसा की घटनाओं में भी शराबबंदी के कारण ही कमी आई है। इस तरह महिलाओं के हित में नीतीश कुमार की सरकार ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये और इसका उन्हें चुनावी लाभ भी मिलता रहा है। बिहार सरकार के अलावा केन्द्र सरकार ने भी महिला सशक्तिकरण के लिए हर घर में शौचालय, नल जल योजना, महिला सदस्य के नाम पर प्रधानमंत्री आवास योजना और बीपीएल कार्डधारी महिलाओं को निःशुल्क गैस कनेक्शन देने की योजना बनाई है उसका भी बिहार में सुचारू रूप से क्रियान्वयन किया गया है। इसका भी एनडीए को फायदा मिलता रहा है। अब महिलाओं को सरकारी सेवा में 35 प्रतिशत आरक्षण से महिला मतदाताओं का मन मोहने में नीतीश कुमार की सरकार सफल होगी। अभी चुनाव आचार सहिंता लागू होने में वक्त बाकी है। ऐसे में नीतीश कुमार का अगला कदम बिहार की महिलाओं को हर महीने डेढ़ से दो हजार रूपये मासिक देने की घोषणा भी हो सकती है। गौरतलब है कि भाजपा ने महाराष्ट्र और नई दिल्ली विधानसभा चुनाव के पूर्व महिलाओं को दो हजार रूपये मासिक सम्मान निधि देने का चुनावी वादा किया था। जिसका महिला मतदाताओं पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। और इन दोनों ही राज्यों में भाजपा को महिला मतदाताओं का भरपूर आशीर्वाद मिला। जिसके चलते महाराष्ट्र और नई दिल्ली में भाजपा ने प्रचंड बहुमत से अपनी सरकार बनाने में कामयाबी हासिल की थी। इसके पूर्व छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में भी भाजपा ने महिलाओं के लिए मासिक सम्मान निधि देने की घोषणा कर अपनी सरकार बनाई थी। इसी से स्पष्ट है कि बिहार में भी नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार बहुत जल्द बिहार की महिलाओं को सम्मान निधि देने की घोषणा कर सकती है और चुनाव आचार सहिंता लगने के पूर्व महिलाओं के खाते में इसकी एक या दो किश्त डाल सकती है। यदि ऐसा हुआ तो बिहार में एक बार फिर नीतीश कुमार अपने नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनाने में सफल हो जाएं तो कोई आश्चर्य नहीं होगा। महिलाओं के अलावा बिहार के युवाओं को भी साधने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने युवा आयोग के गठन का भी फैसला लिया है। मात्र चार माह की अवधि में यह युवा आयोग बिहार के युवाओं के हित में क्या कदम उठा पाएगा यह कह पाना तो मुश्किल है। लेकिन युवा आयोग का गठन होने से युवाओं में अपने भविष्य को लेकर एक नई उम्मीद की किरण तो जागेगी। ऐसे में बिहार के युवाओं का भी एनडीए के प्रति थोड़ा न थोड़ा रूझान तो बढ़ ही सकता है। और इसका भी एनडीए को चुनावी लाभ मिल सकता है।

सद्गुरू बोधा मृतम्

सदगुरू श्री ऋतेश्वर

◆ सदशिष्य का कार्य है गुरु की प्रमुख वाणियों को यथाशीघ्र लिख लेना, जमा कर लेना, सुना देना लोगों को, स्वयं समझ लेना।

कई बार मोबाइल में भरा वाणियों को फिर दो बार मोबाइल चली गई ना; भरा भराया मोबाइल चला गया, जब खूब जमा हो गया इसका मन हुआ कि हाँ अब जमा हो गया, अब जमा हो गया, अब तो कुछ करेंगे तो मोबाइल ही चली गई लेव ! क्योंकि वो भी जानते थे कि "देहि नाम क्षणभंगुरा" तो जो गुरुदेव ने बोला ले के तुरंत लिपिबद्ध करके ताम्रपत्र में; मैं रहूँ ना रहुँ गुरु जी की वाणी सदा रहेगी और वास्तव में यही है गुरु सेवा, यही है हरी सेवा।

आज का इतिहास

नई दिल्ली/वार्ता। 1781 थॉमस हचिन्स ने अमेरिका के भूगोल को नामित किया। 1789 फ्रांस के लुई XVI ने लोकप्रिय मुख्यमंत्री जैक नेकर को खारिज कर दिया। 1919 नीदरलैंड ने आठ घंटे का दिन और निःशुल्क रविवार श्रमिकों के लिए कानून बनाया। 1921 मंगोलिया ने अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की। 1943 अमेरिकी ने न्यू जॉर्जिया से एनोगाई की लड़ाई पर जीत हासिल की। 1957 इस्लामी धार्मिक नेता और मुस्लिम लीग के संस्थापक सदस्य आगा खां का निधन हुआ। 1975 चीन में 2200 वर्ष पुरानी कब्रगाह खोजी गयी जिसमे सैनिकों के 3000 आदमकद मूर्तियाँ दफ़्न थी। 1987 ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री रॉबर्ट हॉक की सरकार तीसरी अवधि के लिए चुनी गई। 1997 थाईलैंड के पटाया शहर के सबसे खराब होटल में आग लगने से 90 लोगो की मौत हो गयी। 2008 एप्पल ने आईफोन 3जी लांच किया। 2011 एवेंजेलोस फ्लोरकिस नेवल बेस में एक विस्फोट में साइप्रस नौसेना के प्रमुख सहित 12 लोगों की मौत हो गई, जिससे यह साइप्रस के इतिहास में सबसे खराब सैन्य दुर्घटना थी।

योगेश कुमार गोयल

इसका अर्थ है कि तब अधिकांश परिवारों में केवल एक ही बच्चा होगा और भारत उसी स्थिति में खड़ा होगा, जिसमें वन चाइल्ड पॉलिसी के बाद चीन खड़ा हुआ और उसे विगत सात वर्षों में दो बार अपनी जनसंख्या नीति में बड़ा परिवर्तन करना पड़ा। इसलिए टू चाइल्ड पॉलिसी जैसे कानूनों के जरिये जनसंख्या नियंत्रण की कोशिशों को व्यावहारिक नहीं माना जा रहा बल्कि इसके लिए डराने-धमकाने वाले कानूनों के बजाय लोगों में जागरूकता पैदा किया जाना सबसे जरूरी है। बगैर कड़े कानूनों के देश के ऐसे राज्यों में जनसंख्या वृद्धि दर में कमी आई है, जहां साक्षरता दर ज्यादा है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत में गरीब महिलाओं की प्रजनन दर करीब 3.2 है जबकि सम्पन्न महिलाओं में यह दर केवल 1.5 पाई गई है। इसी प्रकार अनपढ़ महिलाओं के औसतन 3.1 बच्चे होते हैं जबकि शिक्षित महिलाओं में यह संख्या औसतन 1.7 है। इसका स्पष्ट अर्थ है कि जनसंख्या विस्फोट का सीधा संबंध सामाजिक और शैक्षिक स्थितियों से जुड़ा है। शिक्षा के अभाव में ही देश की बड़ी आबादी को छोटे परिवार के लाभ को लेकर जागरूक नहीं किया जा सका है।

जनसंख्या नीति नहीं, जनजागरूकता है असली समाधान

जनसंख्या संबंधित समस्याओं पर वैश्विक चेतना जागृत करने के लिए प्रतिवर्ष 11 जुलाई को 'विश्व जनसंख्या दिवस' मनाया जाता है। भारत के संदर्भ में देखें तो तेजी से बढ़ती आबादी के कारण ही हम सभी तक शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतों को पहुंचाने में पिछड़ रहे हैं। बढ़ती आबादी की वजह से ही देश में बेरोजगारी की समस्या विकराल हो चुकी है। हालांकि विगत दशकों में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से नए रोजगार जुटाने के कार्यक्रम चलाए गए लेकिन बढ़ती आबादी के कारण ये सभी कार्यक्रम 'ऊंट के मुंह में जीरा' ही साबित हुए। बढ़ती जनसंख्या के कारण ही देश में आबादी और संसाधनों के बीच असंतुलन बढ़ता जा रहा है। वास्तविकता यही है कि विगत दशकों में देश की जनसंख्या जिस गति से बढ़ी, उस गति से कोई भी सरकार जनता के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने की व्यवस्था करने में सफल हो ही नहीं सकती थी।

आज देश की बहुत बड़ी आबादी निम्न स्तर का जीवन जीने को विवश है। देश में करीब 40 प्रतिशत आबादी आजादी के बाद से ही गरीबी के आलम में जी रही है। गरीबी में जीवन गुजार रहे ऐसे बहुत से लोगों की यही सोच रही है कि उनके यहां जितने ज्यादा बच्चे होंगे, उतने ही ज्यादा कमाने वाले हाथ होंगे किन्तु यह सोच वास्तविकता के धरातल से परे है। लगातार बढ़ती महंगाई के जमाने में परिवार बड़ा होने से कमाने वाले हाथ ज्यादा होने पर जितनी आय बढ़ती है, उससे कहीं ज्यादा जरूरतें और विभिन्न उत्पादों की कीमतें बढ़ जाती हैं, जिनकी पूर्ति कर पाना सामर्थ्य से परे हो जाता है। इसलिए जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रमों की सफलता के लिए सर्वाधिक

जरूरी यही है कि घोर निर्धनता में जी रहे ऐसे लोगों को परिवार नियोजन कार्यक्रमों के महत्व के बारे में जागरूक करने की ओर खास ध्यान दिया जाए क्योंकि जब तक इस कार्यक्रम में इन लोगों की भागीदारी नहीं होगी, तब तक लक्ष्य की प्राप्ति संभव नहीं है।

देश में जनसंख्या वृद्धि का मुकाबला करने के लिए पिछले काफी समय से कुछ कड़े कानून बनाने की मांग हो रही है लेकिन इस दिशा में कुछ राज्य सरकारें दो से ज्यादा बच्चों वाले परिवारों को सरकारी नौकरी तथा स्थानीय निकाय चुनावों में उम्मीदवारी से अयोग्य अघोषित करने जैसे जिस तरह के उपायों पर विचार कर रही हैं, उन्हें तर्कसंगत नहीं माना जा सकता। हालांकि जनसंख्या वृद्धि मौजूदा समय में गंभीर चुनौती है लेकिन ऐसे उपायों को संवैधानिक नजरिये से भी तर्कसम्मत नहीं माना जाता। चीन में 1980 से पहले केवल एक बच्चा पैदा करने की अनुमति थी, जिसका उल्लंघन करने पर दम्पति को न केवल सरकारी योजनाओं से वंचित कर दिया जाता था बल्कि सजा भी दी जाती थी लेकिन वहां यह नीति सफल नहीं हुई।

इसीलिए चीन सरकार ने 2016 में इस नीति में बदलाव कर दो बच्चों की अनुमति दी और बाद में तीन बच्चों की अनुमति देनी पड़ी। चीन की तानाशाही सरकार द्वारा नीतियों में बड़ा बदलाव करते हुए दम्पत्तियों को तीन बच्चे करने की अनुमति क्यों दी गई, इसके कारण समझना भी जरूरी है। दरअसल वहां लोगों की सामान्य प्रजनन दर में निरन्तर गिरावट आ रही है और कुछ विशेषज्ञों के मुताबिक यही स्थिति भारत में भी होनी है।

जनसंख्या में स्थायित्व और कामकाजी युवाओं की स्थिर संख्या के लिए महिलाओं की सामान्य प्रजनन दर 2.1 होनी चाहिए और चीन में यह दर निरन्तर गिर रही है। 1970 में चीन में यह दर 5.8 थी, जो 2015 में घटकर 1.6 और 2020 में केवल 1.3 ही रह गई जबकि बुजुर्गों की आबादी लगातार बढ़ती गई। नेशनल ब्यूरो ऑफस्टेटिस्टिक्स (एनबीएस) के अनुसार आने वाले समय में आबादी में अधिक उम्र वालों की संख्या बढ़ने से संतुलित विकास और जनसंख्या को लेकर दबाव बढ़ेगा। 1982 में हुई जनगणना में चीन की जनसंख्या में 2.1 फीसदी की सबसे ज्यादा वृद्धि दर्ज की गई थी लेकिन उसके बाद जनसंख्या में लगातार गिरावट दर्ज की गई, जिसके लिए वहां की कम्युनिस्ट सरकार द्वारा अपनाई गई दशकों पुरानी 'वन चाइल्ड पॉलिसी' को जिम्मेदार माना जाता है।

विगत एक दशक में चीन की जनसंख्या करीब सात करोड़ बढ़ी लेकिन बुजुर्गों की संख्या बढ़ने से चीन के लिए अलग ही समस्या उत्पन्न होने लगी है। दरअसल चीन को आशंका है कि अगले दस वर्षों में उसकी जनसंख्या में गिरावट आएगी, जिससे कामगारों की संख्या में कमी आने से उसकी खपत भी घटेगी। एनबीएस के आंकड़ों के मुताबिक चीन को जिन जनसांख्यिकीय संकट का सामना करना पड़ा था, वह और गहरा होने की उम्मीद थी, इसीलिए चीन को अपनी जनसंख्या नीति में बदलाव करने पर विवश होना पड़ा।

जहां तक भारत की बात है तो यहां 1994 में महिलाओं की सामान्य प्रजनन दर 3.4 थी, जो घटकर 2015 में 2.2 रह गई थी यानी सामान्य के करीब। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत की जनसंख्या 2050 तक बढ़ने के बाद से गिरनी शुरू हो जाएगी और 2100 तक पहुंचते-पहुंचते सामान्य प्रजनन दर केवल 1.3 ही रह जाएगी।

ज्योति विज,
महानिदेशक, फिक्की

ढलती उम्र वाली आबादी के साथ-साथ डिजिटल और हरित बदलावों जैसे व्यापक वैश्विक रुझानोंकी पृष्ठभूमि में, ऐसी कारगर नीतियां अधिक संख्या में लोगों को गुणवत्तापूर्ण नौकरियांसुलभ कराने की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। फिक्की में, हम अपने सदस्यों से इस योजना का सदुपयोग करने हेतु आगे आने का आग्रह करते हैं। नियोक्ताओं- खासकरसूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई)से जुड़े- को इसे वित्तीय लाभ से कहीं आगे बढ़कर देखना चाहिए। यह योजना परिचालन को बढ़ाने, युवा प्रतिभाओं का दोहन करने, वेतन भुगतान प्रणाली (पेरोल)काऔपचारिकीकरण करने और स्थायी आर्थिक मूल्य सृजित करने का एक उपकरण है। उद्योग जगत के एक शीर्ष चैंबर के रूप में, फिक्की इस उद्देश्य का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना

अब जबकि दुनिया स्वचालन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है, भारत सरकार ने हाल ही में रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना को स्वीकृति दी है। यह एक बेहद ही सामयिक और सोचा-समझा कदम है।

लगभग एक लाख करोड़ रुपये के परिव्यय वालीयह योजना भारत के उभरते रोजगार परिदृश्य, विशेषकर मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र, में एक साहसिक नीतिगत हस्तक्षेप है।अगले दो वर्षों में 3.5 करोड़ से अधिक नौकरियों के सृजन को समर्थन देने के उद्देश्य से तैयार की गई यह ईएलआई योजना महज एक आर्थिक उपाय भर नहीं है - यह भारत की श्रमशक्ति के भविष्य में एक ऐसा रणनीतिक निवेश है, जो सीधे तौर पर सरकार के विकसित भारतञ्च2047 के विजन का समर्थन करता है।ईएलआई देश में रोजगार सृजन का एक प्रमुख उत्प्रेरक बनने जा रहा है।

कई अन्य ऐसे देशों के उलट, जहां आबादी शीघ्र ही घटने लगेगी या घट चुकी है, भारत में अभी भी कार्यशील आयु वर्ग की एक ऐसी बड़ी आबादी है, जिसे रोजगार के अधिक अवसरों की जरूरत है।ईएलआई योजना का उद्देश्य नौकरी चाहने वालों और नौकरी देने वालों के बीच ही नहींबल्कि इससे भी अधिक महत्वपूर्ण रूप से अनौपचारिक कार्य एवं औपचारिक रोजगार के बीच की खाई को पाटना है।

रोजगार संबंधी तात्कालिकनतीजों से परे जाकर, इस बात परगौर करना महत्वपूर्ण है कि ईएलआई योजना विभिन्न सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की दिशा में भारत की प्रगति को मजबूत करती है।

खासतौर पर, औपचारिक वदीर्घकालिक रोजगार को प्रोत्साहित करके एसडीजी 8 (सभ्य कार्य तथा आर्थिक विकास) और कम वेतन पाने वालों एवं पहली बार नौकरी चाहने वालों को लक्षित वित्तीय सहायता प्रदान करकेएसडीजी 1 (गरीबी उन्मूलन) तथा एसडीजी 10 (असमानताओं में कमी) के संदर्भ में।

आधार-समर्थ प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण प्रणाली(डीबीटी

सिस्टम) के जरिए ईपीएफओ पंजीकरण एवं संवितरण के साथइस योजना का जुड़ाव न केवल रोजगार सृजन बल्कि सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार भी सुनिश्चित करता है, जोकि एक न्यायसंगत और समावेशी अर्थव्यवस्था के निर्माण की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है।

भारत द्वारा किए गए ऐसे प्रयासों को मान्यता देते हुए, अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) ने हाल ही में भारत की इस उपलब्धि को स्वीकार किया और आधिकारिक तौर पर अपने डैशबोर्ड पर इस तथ्य को प्रकाशित किया कि भारत की 64.3 प्रतिशत आबादी (2015 में 19 प्रतिशतकी तुलना में), यानी 94 करोड़ से अधिक लोग अब कम से कम एक सामाजिक सुरक्षा लाभ के दायरे में हैं।

मैन्यूफैक्चरिंग पर जोर खासतौर पर स्वागत योग्य है। जैसे-जैसे वैश्विक मूल्य श्रृंखलाएंनए सिरे से बदल रही हैं, भारत भी कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, उपभोक्ता वस्तुओं और फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रों में एक विश्वसनीय विकल्प के रूप में तेजी से उभर रहा है। इन क्षेत्रों में दीर्घकालिक रोजगार सृजन का समर्थन करके, ईएलआई योजना पीएलआई योजनाओं, 'मेक इन इंडिया'तथा'स्किल इंडिया' जैसी मौजूदा पहलों का पूरक बनने के साथ-साथ शहरी व अर्द्ध-शहरी, दोनों समूहों में औद्योगिक विकास को गति देगी।

अक्सर लागत संबंधी चिंताओं के कारण औपचारिक भर्ती को बढ़ाने में बाधाओं का सामना करने वाले सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई)कोयह योजना महत्वपूर्ण राहत प्रदान करती है। नियोक्ता-पक्ष के प्रोत्साहन नई भर्ती की सीमांत लागत को कम करते हैं।इससे विस्तार, औपचारिकीकरण और श्रमशक्ति के उन्नयन की प्रक्रिया को बढ़ावा मिलता है।

वैश्विक स्तर पर, वेतन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाएं रोजगार को बढ़ावा देने में कारगर साबित हुई हैं। जर्मनी जैसे देश अप्रेंटिसशिप और दीर्घकालिक भर्ती के लिए नियोक्ता सब्सिडी प्रदान करते हैं।दक्षिण कोरिया युवा एवं वृद्ध श्रमिकों के नियोक्ताओं को लक्षित वेतन सहायता प्रदान करता है।सिंगापुर कौशल के उन्नयन (अपस्किलिंग) और रोजगार को कायम रखने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। संयुक्त राज्य अमेरिका में कार्य अवसर कर क्रेडिट (डब्ल्यूओटीसी) की व्यवस्था है, जो वंचित समूहों के व्यक्तियों की भर्ती करने वाले नियोक्ताओं को पुरस्कृत करता है।

भारत की ईएलआई योजनाहमारेविशाल अनौपचारिक श्रम बाजार, जनसांख्यिकीय लाभांश और डिजिटल बुनियादी ढांचेके विस्तार जैसी स्थानीय जरूरतों के अनुरूप वैश्विक स्तर की सर्वश्रेष्ठ कार्यप्रणालियों का समावेश करती है। ईएलआई योजना भारत की रोजगार नीति की परिपक्वता - अल्पकालिक राहत से हटकर दीर्घकालिक श्रम बाजार के विकास की दिशा में बदलाव - को दर्शाती है।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

खुला शिवा रूद्र

खुला शिवा रूद्र नयन संसार से उबारता मंदाकिनी बहक रही भागीरथी संवारता अज्ञात को तलाशता मुझे मिरा वजूद है फ्टे हुए जीर्ण शीर्ण लिबास है उतारता क्षितिज कहीं दिखा हमें प्रकाश लौ चमक रही मशाल सा धधक उठूँ वो कौन है पुकारता विचारता यदा कदा हिसाब भी कभी कभी बसाए नीड अब नई जगह पाषाण मन तराशता ययाति से युवा हुए पुरू सा कौन आएगा सफ़ेद केश हो रहे खिजाब से संवारता। **- ज्योत्सना सक्सेना**

अब जहर-सा घुल गया

अब जहर-सा घुल गया है इन हवाओं में। लूट, हिंसा दिख रही चारों दिशाओं में।। है अँधेरे का प्रशासन, रौशनी बंदी। छिप गया सूरज कहीं काली घटाओं में।। मर रहा ईमान, सबकी आस्था विस्मृत। मांगलिकता शेष है केवल दुआओं में।। फैसले सारे गलत होने लगे देखो। चोर बन बैठे हैं मुखिया, जन-सभाओं में।। हम करें कैसी दवा बीमार दिल की अब। दर्द ही तो है भरा दिल की दवाओं में।। **- दिनेश रोहित चतुर्वेदी**

मुझे ज़िंदगी से मिलाया मैं जिंदगी

मुझे ज़िंदगी से मिलाया मैं जिंदगी से हार भी जाती लेकिन फिर जिंदगी ने मुझे अपने ख्वाहिशों से फुसलाया बहुत... मैं निकल पड़ी.. जिंदगी के लिए.. हर रोज ख़्वाबों ने रात को रुलाया और सुबह सच को मनाया बहुत.. कि मैं और जिंदगी की फ़ीकी सी मुस्कान... ज़िद्दी है दोनों.. एक साथ दोनों ने मिलकर मुझे ही मुझसे मिलाया..!! **- नंदिता तनुजा**

ज़िंदगी तू कभी मुस्काराया कर कभी

ज़िंदगी तू कभी मुस्काराया कर कभी उनके तो कभी मेरे घर आया कर !! माना के घर के छप्पर वाला फूँस पुराना है और न ही मेरे पास महल या कोई हवेली है मगर तुझे जीने की इच्छा हमेशा से नयी नवेली है इसलिए तू मत ज़्यादा इतराया कर !! ज़िंदगी तू कभी मुस्काराया कर कभी उनके तो कभी मेरे घर आया कर !! **- रामकिशोर उपाध्याय**

बादल बरसे नेह के, झूमे लतिका

बादल बरसे नेह के , झूमे लतिका झार। बूंदों की पाकर छुअन, खुले हृदय का द्वार।। खुले हृदय का द्वार, सखी वो मुझे रिझाते। हुई सुहानी शाम , नेह अनुपम बरसाते ।। ठहर जरा तू मेघ, साथ मुझको भी ले चल।मन में उठी उमंग, देख कर काले बादल।। **- अर्चना लाल**

हे मानव अपने मन को तो वश

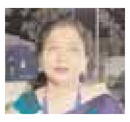

हे मानव अपने मन को तो वश में कर न सका, अल्हड़ बादल को कैसे बांधने चला, प्रगति की आंधी ने उजाड़ा खेतों को- दोष प्रकृति का देकर क्या होगा भला। **-पूनम झा 'प्रथमा'**

कर्नाटक से खड़गे जी छत्तीसगढ़

कर्नाटक से खड़गे जी छत्तीसगढ़ आये,हिंदी में बोले, हमारे मुख्यमंत्री को भी भला बुरा कहा, उनको किसी से कोई गाली नहीं दी, किसी ने उन्हें छत्तीसगढ़ी या गोंडी बोलने के लिए विवश नहीं किया.... क्या कर्नाटक में यह संभव था इसलिये तो छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया है । **- अजय सरस्वती श्रीवास्तव**

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेषः आज के दिन आपकी रुचि धर्म-कर्म में अधिक रहेगी फिर भी कोई ना कोई व्यवधान आने से इसके लिए समय कम ही निकाल पाएंगे।

वृषः आपका आज का दिन भी कुछ विशेष नही रहेगा कल की ही भांति आज भी कारोबार अथवा अन्य धन संबंधित कार्य बाधा आने से अटके रहेंगे।

मिथुनः आज की परिस्थिति भी आपके लिए अनुकूल बनी रहेगी आज आलस्य ना करें समय का लाभ उठाएं धन लाभ के अच्छे अवसर मिलेंगे।

कर्कः आज के दिन आप धन लाभ के साथ ही घरेलू सुख के साधनों में भी वृद्धि कर सकेंगे।

सिंहः आज के दिन विवेकी व्यवहार अपनाएंगे जिससे व्यर्थ के झगड़ो से बचे रहेंगे। कार्य व्यवसाय में आज कुछ विशेष सफलता नही मिलेगी।

कन्याः आज के दिन आप व्यर्थ की बयानबाजी से बचें स्वभाव में भी अहम कुछ अधिक ही रहेगा गलती करके भी उद्दंडता दिखाना आज भारी पड़ सकता है।

तुलाः आज आपकी दिनचर्या आडम्बर युक्त अधिक रहेगी। लेकिन आज किसी भी बात को बढ़ा चढ़ा कर पेश करना आपको ही मुश्किल में डालेगा।

वृश्चिकः आज के दिन आप किसी कार्य को लेकर कुछ ज्यादा ही मानसिक बोझ लेंगे जिससे सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ेगा।

धनुः आज का दिन भी आपके लिए शुभ बना रहेगा कुछ मामूली उलझनों को छोड़ दैनिक कार्य सामान्य गति से चलते रहेंगे।

मकरः आज का दिन भी आपको प्रतिकूल फल देने वाला है। आज भला करने पर भी बुराई ही मिलेगी।

कुंभः आज का दिन आपके लिए लाभदायी रहेगा लेकिन मन की चंचलता बने बनाये लाभ पर पानी भी फेर सकती है।

मीनः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा लेकिन आज आपके बनते कार्यो में कोई ना कोई टांग अवश्य अड़ाएगा।

सूर्योदय : 05:44, सूर्यास्त : 07:20, चन्द्रोदय : 19:19, अयन : दक्षिणायणे (उत्तरगोलीय), ऋतु : वर्षा, शक सम्वत : 1947 (विश्वावसु), विक्रम सम्वतः : 2082 (सिद्धार्थी), मास : श्रावण,पक्ष : कृष्ण, तिथि : प्रतिपदा, नक्षत्र : उत्तराषाढ (पूर्ण रात्रि), योग : इन्द्र (21:38 से वैधृति), प्रथम करण : विष्टि (13:55 तक), द्वितीय करण : बव (26:06 तक)।

॥ गोचर ग्रहाः ॥

सूर्य : मिथुन, चंद्र : धनु, मंगल : सिंह (उदित, पूर्व, मार्गी), बुध : कर्क (उदय, पश्चिम, मार्गी), गुरु : मिथुन (उदित, पूर्व, मार्गी), शुक्र : वृष (अस्त, पश्चिम, मार्गी), शनि : मीन (उदय, पूर्व, मार्गी), राहु : कुम्भ, केतु : सिंह।

QUIZ TIME

1) हरित सोना क्रांति किससे संबंधित है?
2) प्राचीन कांस्य युग के नगर अल-नताह की हाल ही में खोज किस देश में हुई?
3) फिरोजाबाद 200 से अधिक वर्षों में किसका उत्पादन कर रहा है?
4) कजाकिस्तान अपनी पहली परमाणु ऊर्जा स्टेशन किस झील के पास स्थापित कर रहा है?
5) सुधार और योजना में महाराजा हरि सिंह पुरस्कार 2025 से किसे सम्मानित किया गया?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) चांदी (2) सऊदी अरब (3) कांच की चूड़ियों (4) झील बाल्खश (5) मनोज सिन्हा

शब्द सागर

शब्द सामर्थ्य -104

उचित मूल्य दुकानों में उपभोक्ताओं के लिये राशन के साथ पोषण भी

भोपाल/नवप्रदेश। उपभोक्ताओं के हित में और उचित मूल्य दुकानों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने के लिए शासन द्वारा नवाचार किया जा रहा है। अब शासकीय उचित मूल्य दुकानों से उपभोक्ताओं को राशन के साथ ही गुणवत्तापूर्ण दुग्ध उत्पाद और अन्य पोषण सामग्रियाँ भी उचित मूल्य पर देने की व्यवस्था शुरू की गई हैं। इन दुकानों से जैविक उत्पाद भी उपलब्ध कराये जाने का भी लक्ष्य है। योजना में इंदौर जिले में 30 चिन्हित उचित मूल्य दुकानों पर जन पोषण केन्द्र की स्थापना की गई है। इसी दिशा में आगे कदम बड़ाते हुये जिला उज्जैन एवं सागर में 15-15 उचित मूल्य दुकानों को जन पोषण केन्द्र के रूप में विकसित करने के लिये दुकानों का चयन कर लिया गया है। इस संबंध में भारत सरकार द्वारा चयनित विक्रेताओं को प्रशिक्षण भी दिया जायेगा।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि सरकारी राशन की दुकानों को पोषण केंद्रों में बदलने की यह एक अभिनव पहल है। इसका उद्देश्य लोगों को पोषण से भरपूर खाद्य पदार्थ मुहैया कराना है।

उपभोक्ताओं ने भी की सराहना

स्थानीय उपभोक्ताओं द्वारा उचित मूल्य दुकान पर उक्त सामग्री की उपलब्धता पर प्रसन्नता जाहिर की जा रही है। उनका कहना है कि राशन के साथ ही अन्य सामग्री भी एक ही जगह पर मिलने से अब अन्यत्र नहीं जाना पड़ेगा।

उचित मूल्य की दुकानों पर जन पोषण केन्द्र शुरू हो जाने के बाद उपभोक्ताओं को तो लाभ होगा ही, इसके साथ ही राशन डीलरों की आय में भी वृद्धि होगी और लोगों को पोषण से भरपूर खाद्य पदार्थ मिलेंगे। जन पोषण केंद्रों में पोषण से जुड़े उत्पादों का भंडारण होगा। इन केंद्रों में राशन डीलर्स को आसान लोन की सुविधा भी मिलेगी। साथ ही केंद्रों में डिजिटल टूल्स और सहायता प्रणालियों का इस्तेमाल किया जाएगा। कॉमन सर्विस सेंटर, बैंकिग कॉरसपोंडेंस बनाने की कार्यवाही भी जन पोषण केन्द्र पर की जा रही है। जन पोषण केन्द्रों में पोषण सघन वस्तुओं जैसे कि बाजरा, दालें, खाद्य तेल, सोयाबीन और डेयरी उत्पाद का भण्डारण कर उचित मूल्य पर देने की व्यवस्था शुरू की जा रही है। उचित मूल्य दुकानों के डीलर्स को राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रोजेक्ट के प्रबंधन एवं निगरानी के लिये एक राज्य स्तरीय प्रबंधन समिति का गठन किया गया है।

न्यूज गैलरी

एमपी ट्रांसको के इंजीनियर तिवारी के शोधपत्र को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मिली सराहना

तकनीकी समाधान और सुझावों को विशेषज्ञों ने माना उपयोगी

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) में कार्यरत कार्यपालन अभियंता श्री हितेश कुमार तिवारी द्वारा प्रस्तुत तकनीकी शोधपत्र को जयपुर में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सराहना मिली। यह सम्मेलन अमेरिका मुख्यालय स्थित इंस्टिट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर्स (IEEE) के तत्वावधान में आयोजित किया गया था। तिवारी का शोधपत्र ÷प्रस्तावित 2×800 मेगावाट उत्पादन इकाइयों से विद्युत निकासी के लिये ट्रांसमिशन सिस्टम नेटवर्क की तकनीकी-आर्थिक योजना÷ विषय पर आधारित है। यह शोध पत्र डॉ. राजीव कुमार चौहान एवं डॉ. संजय कुमार मौर्य के सहयोग से 5वें ढ्ढश्वश्वश्व अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया। इसमें सतत ऊर्जा एवं भविष्य की विद्युत परिवहन प्रणालियों पर भी गहन मंथन हुआ।

ट्रांसमिशन क्षेत्र के लिए सुझाये अनेक उपाय

सम्मेलन का उद्देश्य सतत ऊर्जा समाधान एवं भविष्य की विद्युत प्रणालियों के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकी विकास को साझा करना भी था। श्री तिवारी द्वारा प्रस्तुत शोधपत्र ने न केवल विशेषज्ञों का ध्यान आकर्षित किया, बल्कि ट्रांसमिशन प्रणाली की योजना, निष्पादन और मूल्यांकन के लिए एक उपयोगी मार्गदर्शन भी प्रस्तुत किया। शोधपत्र में श्री तिवारी ने ट्रांसमिशन सिस्टम की स्थिरता, सामान्य परिचालन परिस्थितियों में प्रदर्शन तथा आपात स्थिति में ग्रिड की लचीलापन क्षमता का विश्लेषण विशेषज्ञों के सामने रखा। उनके द्वारा दिए गए तकनीकी समाधान और सुझावों को बिजली क्षेत्र के दिग्गज विशेषज्ञों ने गंभीरता से लिया और ऊर्जा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण माना। एमपी ट्रांसको के लिए यह एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम की स्प्री-2025 योजना को मिली मंजूरी

नियोक्ताओं और कर्मचारियों के पंजीकरण को मिलेगा प्रोत्साहन

भोपाल/नवप्रदेश। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC) ने नियोक्ताओं और कर्मचारियों के पंजीकरण को बढ़ावा देने के लिए ÷स्प्री 2025÷ यानि स्कीम टू प्रमोट रजिस्ट्रेशन ऑफ इम्प्लॉयर्स/इम्प्लॉयीज योजना को स्वीकृति दी है। इस निर्णय की घोषणा शिमला, हिमाचल प्रदेश में आयोजित 196वीं ईएसआई निगम की बैठक में की गई, जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय श्रम और रोजगार तथा युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने की।

संयुक्त निदेशक श्री निश्चल कुमार नाग, प्रभारी, उप क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल से प्राप्त जानकारी के अनुसार स्प्री योजना का उद्देश्य ईएसआई अधिनियम, 1948 के अंतर्गत अब तक पंजीकृत नहीं हुए प्रतिष्ठानों एवं श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाना है। यह योजना 1 जुलाई से 31 दिसंबर 2025 तक लागू रहेगी। इसके अंतर्गत नियोक्ता डिजिटल माध्यमों जैसे- श्वस्द्बष्ट पोर्टल, श्रम सुविधा पोर्टल, स्ढ्ढष्ट पोर्टल से अपने प्रतिष्ठान एवं कर्मचारियों का पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकरण नियोक्ता द्वारा घोषित तिथि से वैध माना जाएगा। पंजीकरण की तिथि से पूर्व की अवधि के लिए कोई देनदारी, योगदान या रिकॉर्ड की मांग नहीं की जाएगी और कोई निरीक्षण या कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी, जो पहले अपंजीकरण की स्थिति में संभावित थी।

स्प्री योजना का प्रमुख उद्देश्य पिछली देनदारियों के भय को समाप्त कर स्वैच्छिक अनुपालन को बढ़ावा देना है, इससे कॉन्ट्रेक्ट, अस्थायी और अनियमित श्रमिकों को भी स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा लाभ प्राप्त होंगे। इस योजना के अंतर्गत नकद लाभ (बीमारी, मातृत्व, चोट या मृत्यु की स्थिति में), कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के लिए चिकित्सा सेवाएं, दीर्घकालिक सामाजिक सुरक्षा जैसे विकलांगता लाभ, पेंशन आदि लाभ उपलब्ध होंगे।

यह योजना उन नियोक्ताओं पर लागू होगी जिनके प्रतिष्ठानों यानि कारखानें, दुकानें, होटल-रेस्टोरेंट, रोड ट्रांसपोर्ट, निजी स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, समाचार पत्र, नगर निगमों के ठेका कर्मचारी आदि में 10 या अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। ऐसे संस्थानों पर भी यह योजना लागू होगी जो अब तक ईएसआई अधिनियम के तहत पंजीकृत नहीं हुए हैं अथवा वह अपने सभी पात्र कर्मचारियों का पंजीकरण नहीं कर पाए हैं।

संयुक्त निदेशक श्री नाग ने बताया कि यह योजना सर्वसमावेशी सामाजिक सुरक्षा कवरेज को बढ़ावा देती है और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिये भी अनुकूल है। योजना की सबसे बड़ी विशेषता है कि यह पूरी तरह से स्वैच्छिक, सरल और पारदर्शी है। उन्होंने राज्य के सभी पात्र नियोक्ताओं से इस योजना का अधिकतम लाभ उठाने का आग्रह किया, जिससे वे न केवल कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें बल्कि अपने कर्मचारियों को आवश्यक स्वास्थ्य व सामाजिक संरक्षण भी प्रदान कर सकें।

भोपाल में कुख्यात बदमाश सोनू एंजल गिरफ्तार

पुलिस को देखकर किया हंगामा; पकड़े जाने पर झूमाझटकी भी की

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल में कुख्यात बदमाश सोनू एंजल को कमला नगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी शाहपुरा इलाके के एक घर में छिपा था। पुलिस की दबिश देखकर उसने भागने का प्रयास किया। पकड़े जाने पर झूमाझटकी की। आरोपी को गुरुवार को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। बदमाश लंबे समय से हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहा था। कमला नगर थाना प्रभारी निरूपा पांडे ने बताया कि करीब पांच महीने पहले कमला नगर इलाके में एक युवक पर दो बदमाशों ने चाकू-छुरी से जानलेवा हमला किया था। पुलिस ने इस मामले में प्रकरण दर्ज किया था। घटना के बाद से बदमाश सोनू एंजल फरार था। मुखबिर से सूचना मिली की वह कोलार इलाके का रहने लगा है, तब पुलिस ने कई बार उसके घर पर दबिश दी लेकिन वह वहां पर नहीं मिला। पुलिस की एक टीम लगातार उसकी गिरफ्तारी के प्रयास कर रही थी। मुखबिर से सूचना मिली कि सोनू एंजेल शाहपुरा इलाके में देखा गया है।

मुखबिर की सूचना के बाद पकड़ा गया आरोपी

सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पर बदमाश की घेराबंदी कर ली। पुलिस को देखते ही बदमाश ने पुलिस टीम पर हमला कर भागने की कोशिश की लेकिन पुलिसकर्मियों ने उसे दबोच लिया। उसे गुरुवार को कोर्ट में पेश किया और जेल भेज दिया है। सोनू एंजल पर भोपाल के अलग-अलग थानों में करीब दो दर्जन आपराधिक मामले दर्ज हैं।

मध्य प्रदेश विधानसभा में मानसून सत्र में ई-विधान नहीं होगा लागू

अब अगले सत्र तक टला

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश विधानसभा में इस बार मानसून सत्र के दौरान ई-विधान प्रणाली लागू नहीं हो पाएगी। तकनीकी कारणों से अब यह व्यवस्था शीतकालीन सत्र में शुरू की जाएगी। ई-विधान के तहत विधानसभा की कार्यवाही को पेपरलेस बनाया जाना था, लेकिन टैबलेट की खरीद में देरी के कारण इसे टाल दिया गया है।

मध्यप्रदेश विधानसभा के आगामी मानसून सत्र में ई-विधान प्रणाली लागू नहीं हो पाएगी। विधानसभा सचिवालय ने इस सत्र में कार्यवाही को पेपरलेस करने के लिए ई-विधान योजना को लागू करने की तैयारी की थी, लेकिन एनआईसी (ह्वढ्ढष्ट) द्वारा टैबलेट की खरीद न हो पाने के कारण इसे शीतकालीन सत्र के लिए टाल दिया गया है। विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह ने बताया कि मानसून सत्र में विधायकों को ऑनलाइन कार्य प्रणाली का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगले सत्र से नई प्रणाली लागू हो जाएगी, इसलिए विधायकों को इसके उपयोग की जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के लिए विशेषज्ञों की सहायता ली जाएगी ताकि विधायकों को किसी तरह की परेशानी न हो।

स्पीकर, मुख्यमंत्री और विधायकों के सामने रहेंगे टैबलेट

ई-विधान लागू होने के बाद विधानसभा में स्पीकर, मुख्यमंत्री और विधायकों की सीटों के सामने टैबलेट लगाए जाएंगे, जिनके माध्यम से वे सदन से संबंधित दस्तावेज देख सकेंगे। केंद्रीय सरकार की इस योजना को लागू करने के लिए विधानसभा ने सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं, लेकिन अभी तक नेशनल इंफॉर्मेटिक्स सेंटर (ह्वढ्ढष्ट) द्वारा टैबलेट की खरीद नहीं हो सकी है।

250 टैबलेट खरीदने थे एनआईसी को

एनआईसी को विधानसभा के लिए 250 टैबलेट खरीदने थे, लेकिन टैबलेट की तकनीकी विशिष्टताओं और अन्य प्रक्रियाओं में देरी होने के कारण यह संभव नहीं हो पाया है। ई-विधान लागू होने के बाद सदन की प्रश्नोत्तर प्रक्रिया, दस्तावेज और अन्य विधायी सामग्री टैबलेट पर उपलब्ध होगी। विधायकों को इन्हीं टैबलेट के माध्यम से कार्य करना होगा।

माहेश्वरी साडियों से हेमलता ने देश में बनाई अपनी पहचान

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश के खरगोन जिले के महेश्वर की रहने वाली हेमलता खराड़े आज महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। कभी गांव-गांव में मजदूरी कर महीने भर में मुश्किल से 800 रुपये कमाने वाली हेमलता ने अपनी मेहनत, हुनर और आत्मविश्वास से खुद की दुनिया ही बदल दी। आज वे न सिर्फ सफल उद्यमी हैं, बल्कि 15 महिलाओं को रोज़गार देकर उन्हें भी आत्मनिर्भरता की राह पर ले जा रही हैं।

सीखा लूम पर काम करना

हेमलता का जीवन बदला आजीविका मिशन और हथकरघा विकास निगम की मदद से वर्ष 2008 में उन्होंने निगम की ओर से 6 माह की ट्रेनिंग ली, जिसमें उन्होंने लूम पर काम करना सीखा। इसके बाद वे हथकरघा भवनों में काम करने लगीं और अपने कौशल से पहचान बनाते हुए वर्ष 2012 में खुद का हथकरघा समूह शुरू किया। शासन ने उनके आत्मविश्वास और काम को देखते हुए वर्ष 2016 में भवन भी उपलब्ध कराया। हेमलता ने महेश्वर की पारंपरिक माहेश्वरी साड़ियों को अपनी कला से नई पहचान दी है। आज वे देश के विभिन्न शहरों ङ्क मुंबई, दिल्ली, चंडीगढ़, गुवाहाटी, इंदौर और भोपाल आदि में आयोजित हैंडलूम एग्जीबिशनों में हिस्सा लेती हैं। उनकी मासिक आय करीब 25,000 रुपये है और सालाना लगभग 2.5 लाख रुपये तक की कमाई हो जाती है।

साड़ी पर उकेरी नर्मदा की लहरें

हेमलता बताती हैं कि उनके स्व-सहायता समूह में तैयार साड़ियों में महेश्वर किले की झलक, झरोखा बूंटी, जाली बूटी, कैरी बूटी, असरफी बूटी जैसे पारंपरिक डिज़ाइन बुनाई जाते हैं। खास बात यह है कि वे नर्मदा नदी की लहरों को भी साड़ियों की बॉर्डर में सजाकर उसकी प्राकृतिक छटा को परिधानों में पिरोती हैं। उनकी साड़ियाँ तीज-त्योहारों से लेकर शादी-ब्याह तक हर अवसर पर खूब पसंद की

आजीविका के साथ आधुनिकता के संगम से समृद्ध बनेंगे मछुआरे : राज्यमंत्री पंवार

समर्पण, समानता और सेवा का सनातन प्रतीक हैं निषादराज

सामाजिक समरसता के प्रतीक निषादराज के सम्मान में 12 जुलाई को उज्जैन में होगा महासम्मेलन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव देंगे अनेक सौगातें

भोपाल/नवप्रदेश। मत्स्य पालन एवं मछुआ कल्याण राज्यमंत्री श्री नारायण सिंह पंवार ने निषाद समाज की समृद्धि के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में हो रही सकारात्मक पहल के लिए आभार जताते हुए कहा कि निषादराज सम्मेलन से राज्य सरकार निषाद समाज की परंपराओं को सम्मान दे रही है। उनके जीवन और आजीविका को आधुनिक संसाधनों से जोड़ने का कार्य भी कर रही है। यह एक ऐसा प्रयास है जिसमें इतिहास की प्रेरणा और भविष्य की योजना दोनों साथ चल रहे हैं। यह सम्मेलन मछुआ समाज के सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उन्होंने कहा कि उज्जैन में होने जा रहे निषादराज सम्मेलन से निषाद समाज के गौरव को एक मंच मिलने जा रहा है।

निषादराज सम्मेलन और उज्जैन की पवित्र नगरी में इसके आयोजन की पौराणिक संदर्भ में व्याख्या करते हुए राज्य मंत्री श्री पंवार ने कहा कि रामायण के लोकनायक श्रीराम जब 14 वर्षों के वनवास पर निकले, तब मार्ग में उन्हें जो प्रथम सच्चा मित्र मिला, वह था निषादराज गुह। न कोई राजसी वैभव, न कोई अधिकार फिर भी निषादराज ने जो आत्मीयता, श्रद्धा और समर्पण दिखाया, वह आज भी भारतीय समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

राज्यमंत्री श्री पंवार ने कहा कि जब श्रीराम, लक्ष्मण और सीता जी गंगा के तट पर पहुंचे, तब निषादराज ने न केवल उन्हें विश्राम दिया, बल्कि अपनी संपूर्ण भक्ति से उनके चरण धोए। यह दृश्य केवल एक राजा की अतिथि सेवा नहीं था। यह सामाजिक समरसता का वह अद्वितीय पल था, जब एक वनवासी और एक राजकुमार के बीच भेदभाव की सारी रेखाएं मिट गईं। निषादराज और श्रीराम की मित्रता का यह आदर्श हमें आज भी यह सिखाता है कि भक्ति और मित्रता में कोई छोटा-बड़ा नहीं होता, केवल भावना की विशालता ही सबसे बड़ा मूल्य है।

निषादराज सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति इस आयोजन को विशेष बना रही है। इस मंच के माध्यम से न केवल सामाजिक समरसता को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि यह सम्मेलन सरकार और समाज के बीच सहभागिता का नया अध्याय रचेगा।

मत्स्य संपदा में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश आज मत्स्य उत्पादन और मछुआ समाज के सशक्तिकरण के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना और मुख्यमंत्री मछुआ कल्याण योजना जैसे नवाचारों ने हजारों मछुआरों के जीवन में नई आशा की किरण जगाई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव देंगे विकास कार्यों की सौगात

राज्य मंत्री श्री पंवार ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम में 22.65 करोड़ रूपये की लागत के 453 स्मार्ट फिश पार्लर, 40 करोड़ रूपये की लागत से बन रहे अत्याधुनिक अंडर वॉटर टनल सहित एक्वापार्क और 91.80 करोड़ रूपये की लागत से इंदिरा सागर जलाशय में 3060 केजेस का वर्चुअली भूमि-पूजन करेंगे।

इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव 430 मोटर साइकिल विद आइस बॉक्स के स्वीकृति पत्र एवं 100 यूनिट्स का वितरण, 396 केज के स्वीकृति पत्र का प्रदाय, फीडमील के हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र का प्रदाय एवं उत्कृष्ट कार्य कर रहे मछुआरों एवं मत्स्य सहकारी समितियों को पुरस्कार वितरण करेंगे। इस अवसर पर महासंघ के मछुआरों को 9.63 करोड़ रूपये के डेफर्ड वेजेस का सिंगल क्लिक से अंतरण करने के साथ ही रॉयल्टी चेक प्रदाय करेंगे।

जनरल स्टोर शुरू कर सुदामा चौधरी बनी आत्मनिर्भर

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जीवन में आया स्वर्णिम बदलाव

भोपाल/नवप्रदेश। खंडवा जिले की श्रीमती पप्पी सुदामा चौधरी ने अपनी मेहनत, हौसले और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से एक ऐसी मिसाल कायम की है, जो ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। पप्पी ने स्व-सहायता समूह की सहायता से 2 लाख रुपये का ऋण लेकर एक जनरल स्टोर शुरू किया, जिससे उनकी मासिक आय 20 से 22 हजार रुपये हो गई है। यह कहानी न केवल उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता की है, बल्कि सामाजिक बदलाव और महिला सशक्तिकरण की भी जीवंत तस्वीर है।

पप्पी सुदामा बताती हैं कि पहले उनके परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर थी। ग्रामीण परिवेश में महिलाओं के लिए बाहर जाकर काम करना मुश्किल था, और सामाजिक पाबंदियों ने उनके सपनों को सीमित कर रखा था।स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उनके जीवन में बड़ा बदलाव आया। समूह की अन्य महिलाओं ने उन्हें प्रोत्साहित किया और व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रेरित किया। 2 लाख रुपये के ऋण से शुरू किए गए जनरल स्टोर में रोजमर्रा के सामान की बिक्री ने न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया, बल्कि उनके परिवार के विचारों में भी सकारात्मक बदलाव लाया। अब उनका परिवार उनका पूरा समर्थन करता है। पप्पी की मेहनत और नेतृत्व क्षमता ने उन्हें शिव शक्ति स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष बनाया। वे अब अन्य महिलाओं को प्रशिक्षित करती हैं और उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करती हैं। पप्पी कहती हैं, ÷यदि महिलाएं ठान लें, तो कुछ भी असंभव नहीं है।थोड़े से हौसले और मेहनत की जरूरत है।÷ उनकी दुकान से होने वाली आय ने उनके बच्चों की शिक्षा को बेहतर बनाया है और परिवार की छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने में मदद की है। पप्पी सुदामा चौधरी ने शासन का धन्यवाद देते हुए कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ने मुझे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया और मेरे परिवार के जीवन को बेहतर बनाया। वे इस योजना को ग्रामीण महिलाओं के लिए वरदान मानती हैं, जिसने न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया, बल्कि सामाजिक बंधनों से हटकर नई पहचान बनाने का अवसर भी दिया।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ने पप्पी जैसी लाखों ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने का मार्ग प्रशस्त किया है। यह योजना स्व-सहायता समूहों के माध्यम से ऋण, प्रशिक्षण और बाजार तक पहुंच प्रदान करती है, जिससे महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। पप्पी की कहानी इस मिशन की सफलता का जीवंत प्रमाण है।

पप्पी का यह छोटा-सा प्रयास न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे समुदाय के लिए प्रेरणा बन रहा है।

अपने दायित्वों का निर्वहन नहीं करने वाले बीएलओ पर होगी कार्यवाही: कलेक्टर

सारनी नपा सभागार में बीएलओ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

बैतूल/नवप्रदेश। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मध्यप्रदेश द्वारा जारी निर्देशों के परिपालन में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी की अध्यक्षता में आमला विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-130 (अ.जा.) अंतर्गत बीएलओ प्रशिक्षण कार्यक्रम गुरुवार को नगर पालिका परिषद सारनी के सभागार में आयोजित किया गया। बैठक में अनुविभागीय अधिकारी श्री शैलेन्द्र बड़ौनियों एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी आमला सहित सभी बीएलओ उपस्थित रहें। यह प्रशिक्षण मतदान केन्द्र क्रमांक 51 से 97 तक के बीएलओ के लिए द्वितीय बेंच के अंतर्गत आयोजित किया गया। जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर श्री सतीश साहू, श्री दिलीप कुमार हाथिया एवं विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर श्री रामप्रसाद जौंजारे, श्री मनोज कुमार बनकर द्वारा बीएलओ को निर्वाचन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण में तहसीलदार एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी श्री संतोष पधौरिया की उपस्थिति रही। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजरों को निष्ठापूर्वक कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि

बीएलओ आपसी समूह बनाकर कठिन प्रश्नों का अभ्यास करें एवं अपने कार्य को त्रुटिरहित बनाएं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जो बीएलओ अपने दायित्वों का निर्वहन ठीक से नहीं कर रहे हैं, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। अनुविभागीय अधिकारी (रा.) श्री बडोनिया एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी आमला द्वारा बीएलओ के कर्तव्य, संविधान की धाराएं एवं निर्वाचन कार्य से संबंधित सम्पुर्ण जानकारी से अवगत कराया गया। मास्टर ट्रेनर द्वारा बीएलओ को निर्वाचक नामावली के त्रुटिरहित बनाने के निर्देशों में निर्वाचक नामावली तैयार करने संबंधी प्रक्रिया, घर-घर जाकर सर्वे कर निर्वाचक की जानकारी का सत्यापन करना, मृत, स्थानांतरित, दोहरी प्रविष्टि की जानकारी तथा राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि, बूथ लेवल एजेंट से समन्वय, फार्म-6, 7 व 8 एवं बीएलओ एप आदि के संबंध में बारीकियों से अवगत कराया गया। साथ ही प्रशिक्षण में प्रातः 9 बजे से पंजीयन कार्य, किट वितरण किया गया। प्रथम चरण में बीएलओ को संवैधानिक एवं विधिक प्रावधानों की जानकारी दी गई। द्वितीय चरण में बीएलओ की जिम्मेदारियां, रोल-प्ले, बीएलओ ऐप, वीएचए ऐप तथा फार्म-6, 6ए, 7, 8 भरने का अभ्यास कराया गया। साथ ही एसआईआर विशेष गहन परीक्षण की प्रक्रिया समझाई गई। तृतीय चरण में भरे गए फार्मों का मूल्यांकन कर त्रुटिरहित कार्य का अभ्यास कराया गया। चतुर्थ चरण में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उपलब्ध ई-मूल्यांकन लिंक के माध्यम से समस्त बीएलओ का मूल्यांकन किया गया। पांचवा चरण में बीएलओ को वीडियो क्लिप, दुविधा निवारण एवं अनुभव साझा करते हुए प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया।

न्यूज गैलरी

समस्त होटल संचालकों, ऊंची इमारतों के प्रबंधकों, शासकीय एवं अशासकीय भवनों तथा जल-टंकियों पर छत्ते न रहे

मधुमक्खियों के छत्तों से जनसुरक्षा पर संकट, बैतूल कलेक्टर ने जारी किए सख्त निर्देश

बैतूल/नवप्रदेश। बैतूल जिले में होटलों, ऊंची इमारतों, जल-टंकियों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर मधुमक्खियों के छत्ते लगातार पाए जाने से अप्रिय दुर्घटनाओं की आशंका को ध्यान में रखते हुए बैतूल कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने जिले के समस्त होटल संचालकों, ऊंची इमारतों के प्रबंधकों, शासकीय एवं अशासकीय भवनों के जिम्मेदारों तथा जल-टंकियों के प्रभारियों को निर्देशित किया है कि वे सुनिश्चित करें कि उनके परिसरों में मधुमक्खियों के छत्ते न हों। यदि छत्ते लगे पाए जाएं, तो उन्हें मान्यता प्राप्त मधुमक्खी नियंत्रण विशेषज्ञों अथवा नगर पालिका या फायर ब्रिगेड विभाग की सहायता से सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए हटवाया जाए। आदेश में यह भी स्पष्ट किया है कि मधुमक्खियों के छत्ते हटाने की प्रक्रिया के दौरान स्थानीय नागरिकों को अग्रिम सूचना दी जाए और समुचित सावधानियां बरती जाएं ताकि किसी को कोई नुकसान न पहुंचे। साथ ही हटाए गए छत्तों के अवशेषों को भी उचित तरीके से नष्ट करना अनिवार्य होगा, जिससे मधुमक्खियां दोबारा आकर्षित न हों। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने समस्त नगर पालिकाओं, नगर परिषदों एवं ग्राम पंचायतों को अपने-अपने क्षेत्रों में इस दिशा में सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। संबंधित भवन स्वामियों को समय-समय पर आवश्यक निर्देश भी दिए जाएंगे। इस आदेश के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित व्यक्ति या संस्था के विरुद्ध सुसंगत विधिक प्रावधानों के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी।

हरदा के संजीवनी क्लिनिकों में निजी चिकित्सकों की सेवाएं प्रारम्भ हुई

हरदा/नवप्रदेश। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन के प्रयासों से गुरूवार को निजी चिकित्सकों द्वारा हरदा के संजीवनी क्लिनिकों में अपनी सेवाएं प्रारम्भ की गई। हरदा शहर के वार्ड क्र. 34 विकास नगर स्थित संजीवनी क्लिनिक में रेवा नर्सिंग होम की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मंजूषा पराते ने अपनी सेवाएं दी। इसी प्रकार स्त्री रोग विशेषज्ञ मानकर नर्सिंग होम डॉ. यामिनी मानकर ने हरदा के वार्ड क्र. 31 बैरागढ़ स्थित संजीवनी क्लिनिक में अपनी सेवाएं दी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह ने बताया कि इस दौरान विकासनगर के मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक में डॉ. पराते ने 39 हितग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा 13 ए.एन.सी परीक्षण किये। बैरागढ़ स्थित मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक में डॉ. मानकर ने 35 हितग्राहियों का स्वास्थ्य परिक्षण किया तथा 3 ए.एन.सी परीक्षण भी किये। उल्लेखनीय है कि गत दिवस कलेक्टर श्री जैन ने जिले के निजी चिकित्सकों से हरदा शहर के संजीवनी क्लिनिकों व पॉली क्लिनिक में अपनी सेवाएं देने के लिये चर्चा की थी।

जिला पंचायत सामान्य प्रशासन समिति की बैठक 16 जुलाई को

बैतूल/नवप्रदेश। जिला पंचायत सामान्य प्रशासन समिति की बैठक 16 जुलाई को जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित की गई है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन ने बताया कि बैठक में जिला पंचायत के त्रैमासिक आय-व्यय माह अक्टूबर 2024 से माह दिसंबर 2024, माह जनवरी 2025 से माह मार्च 2025 एवं माह अप्रैल 2025 से माह जून 2025 पर चर्चा की जाएगी। इसके अलावा जिला पंचायत के मूल कर्मचारियों एवं डीआरडीए सीधी भर्ती के कर्मचारियों की पदोन्नति पर एवं. आजीविका प्लाजा प्रोजेक्ट पर चर्चा होगी। वहीं परियोजना अधिकारी (संविदा) डीआरडीए जिला पंचायत बैतूल श्रीमती ललिता कर्णे को 1 अप्रैल 2014 से 31 जुलाई

माता पिता के बाद गुरू का स्थान ही सर्वोच्च है

भारत वर्ष में गुरू की परंपरा सदियों से रही है : मुख्यमंत्री मोहन यादव

गूरू के आशीर्वाद से नर्मदा पथ पर घाटों और आश्रय स्थलो का निर्माण किया जा रहा है मुख्यमंत्री डॉ यादव ने गुरू पूर्णिमा के अवसर पर दादा कुटी में आयोजित गुरू शिव का मानस पूजा को वर्चुअल संबोधित किया

नर्मदापुरम/नवप्रदेश। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने गुरू पूर्णिमा के पावन अवसर पर गुरूवार को नर्मदापुरम के दादा कुटी में चल रहे गुरू शिव का मानस पूजा को वर्चुअल संबोधित करते हुए कहा कि भारतवर्ष में गुरू की परंपरा सदियों से विद्यमान रही है। भगवान श्री रामचंद्र जी का जीवन हमारे सामने हैं जिन्होंनें गुरू विश्वामित्र के मार्गदर्शन में निशाचरों का संघार किया था। भगवान श्री कृष्ण ने अपने गुरू सांदीपनी के दिखाए पथ पर चलकर विश्व को मागदर्शन दिया। गुरू के आशीर्वाद से ही हम नर्मदा पथ का निर्माण कर रहे है। नर्मदा नदी के घाटों का निर्माण एवं आश्रय स्थलों का निर्माण कर रहे हैं। नर्मदा के किनारों पर वृहद स्तर पर पौधरोपण कर प्रकृति संरक्षण का संदेश दे रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि गुरू आस्था की जीवंत मिसाल होते हैं। हमारे जीवन में माता पिता के बाद गुरू का ही महत्व रहता है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने गुरू पूर्णिमा के अवसर पर सभी गुरूओ को नमन करते हुए कहा कि गुरूओं के आशीर्वाद से ही सिंहस्थ 2028 की तैयारियां अभी से शुरू कर दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने अवधूत श्री दादा गुरू के चरणों में नमन करते हुए कहा कि दादा गुरू स्वयं आस्था की जीवंत मिसाल है। प्रतिदिन अंजुली भर पानी पीकर जीवित हैं। गुरू की कृपा से हमेशा आशीर्वाद बरसता रहता है। दादा गुरू पौध रोपण एवं नर्मदा जल के शुद्धीकरण के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्यप्रदेश के 19 धार्मिक शहरों में शराब बंदी लागू की गई है। यह सब दादा गुरू जैसे गुरूओं के आशीर्वाद से ही संभव है। दादा कुटी में चल रहे समर्थ श्री गुरू पूर्णिमा महोत्सव के अंतर्गत शिव मानस पूजा को संबोधित करते हुए अवधूत श्री दादा गुरू ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति की परंपरा और मान्यता आज हमे पूरे विश्व में एक अलग पहचान दिलाती है। गुरू पूर्णिमा का आज पावन दिवस गुरूओं के प्रति आस्था का प्रकटीकरण है। गुरू परम अविनाशी होते हैं। उनकी उपस्थिति और आशीर्वाद से सभी कार्य सुगम होते हैं। गुरू अपने शिष्य को सत्य, अहिंसा और करुणा का मार्ग दिखाते हैं। गुरू सत्य है गुरू तथ्य है, गुरू कल्याण है, गुरू की लीला शिष्य को जीवन का बोध कराती है। गुरू शिष्य को आत्मनिर्भर बनाते हैं। दादा गुरू ने कहा कि आज नर्मद तट का हर कंकर शंकर के रूप में है। हर युग में गुरू और गोविंद प्रकृति और जीवन में प्रणों का संचार करते हैं और देवत्व के भाव को प्रकट कर व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं। गुरू की सगुण उपासना हम वृक्षों के रूप में भी करते हैं। जिसने गुरू का सानिध्य प्राप्त कर लिया वह आत्मनिर्भर हो गया। प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण और सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग ने कहा कि हमारी सनातन परंपरा में गुरू हमें सत्य के मार्ग तक पहुंचाने का कार्य करते हैं। उन्होंनें कहा कि अवधूत दादागुरू ने मां नर्मदा की सेवा की है और वृक्ष लगाकर सेवा का संकल्प लिया है।

गुरु पूर्णिमा उत्सव कार्यक्रम संपन्न

हरदा/नवप्रदेश। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय हरदा में गुरुवार को गुरू पूर्णिमा उत्सव के पावन पर्व पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष जिला पंचायत हरदा श्री दर्शन सिंह गहलोत, शासकीय माध्यमिक शाला हंडिया में पदस्थ शिक्षक श्री राजेंद्र मंडलोई एवं संस्था के प्राचार्य श्री संतोष कुमार यादव ने मां सरस्वती व वेदव्यास जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया । कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री गहलोत ने शिक्षकों को सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने गुरु की महिमा पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री मंडलोई ने गुरु शिष्य परंपरा एवं गुरु के महत्व का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को गुरु के जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री यादव ने जीवन में गुरु का महत्व बताया एवं उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

संस्था में कार्यरत संस्कृत विषय की शिक्षिका एवं जिला संस्कृत प्रकोष्ठ प्रभारी श्रीमती हेमलता अग्रवाल ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम के अंत में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री गहलोत ने छात्र-छात्राओं को निशुल्क साइकिल वितरित की। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

''बाल अधिकारों के संबंध में किशोर एवं ग्रामीणजन को किया गया जागरूक''

हरदा/नवप्रदेश। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष श्रीमती तृप्ति शर्मा के मार्गदर्शन में बुधवार को ग्राम अबगॉव खुर्द, सोनखेड़ी, भुन्नास एवं गोगिया में विधिक जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में न्यायाधीश एवं सचिव श्री चंद्रशेखर राठौर ने नालसा डॉन स्कीम के बारे में बताया कि योजना का उद्देश्य, विशेष रूप से युवा व किशोरों में नशीले पदार्थों के उपयोग के विरूद्ध जागरूकता बढ़ाना और नशे के शिकार लोगों को कानूनी सहायता और कल्याणकारी सेवाएं प्रदान करना है। इस दौरान योजना के विधिक

प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही ग्रामीणजनों को बताया कि शासन द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिये कई सारी योजनाएं संचालित है। माता-पिता को अपने बच्चों को उन योजनाओं के तहत लाभ दिलाना चाहिए तथा अपने बच्चों को स्कूल जाने तथा शिक्षा प्राप्त करने हेतु प्रेरित करना चाहिए। शिविर में बाल अनुकुल विधिक सेवाएं, बच्चों से मैत्रीपूर्ण संबंध, शिक्षा का अधिकार, पॉक्सों एक्ट, बाल श्रम, तस्करी एवं वाणिज्यक यौन शोषण के पीड़ितों को विधिक सहायता, नशा उन्मूलन आदि विषयों पर भी जानकारी प्रदान की गई। जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री सौरभ कुमार दुबे ने बाल विवाह, पॉक्सो एक्ट, बाल यौन शोषण, बाल श्रम, साइबर क्राइम विषयों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होने उपस्थित जनों को विधिक सहायता प्राप्त संबंधी जानकारी दी। शिविर में ग्राम अबगॉव खुर्द सरपंच प्रतिनिधि श्री राजेश भाटिया, सचिव श्री मनीष व्यास, ग्राम सोनखेड़ी सरपंच श्री अरूण लौहारिया, सचिव श्री कैलाश योगी, ग्राम भुन्नास सरपंच श्रीमति मीना इवने, ग्राम गोगिया सरपंच श्री टीकाराम विनवार, सचिव श्री धीरासिंह चौहान, ग्रामीणजन महिलाएं, पुरूष बच्चे एवं पैरालीगल वॉलेंटियर्स श्री राधेश्याम विश्वकर्मा उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला 11 जुलाई

बैतूल/नवप्रदेश। जिला रोजगार कार्यालय, आईटीआई, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र बैतूल के संयुक्त तत्वावधान में आज 11 जुलाई को शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में युवा संगम के तहत जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन प्रातः 11 बजे से किया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि इच्छुक आवेदक अपने समस्त मूल दस्तावेज आधार कार्ड, शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, स्थाई निवास प्रमाण पत्र, रोजगार पंजीयन कार्ड यदि हो तो, चार पासपोर्ट साइज फोटो, वोटर आईडी, समग्र आईडी की फोटोकॉपी के साथ रोजगार मेले में उपस्थित हो सकते हैं। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि रोजगार मेले में कुल 7 प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। मेधावी एस्पायर प्राइवेट लिमिटेड पुणे में उत्पादन एवं गुणवत्ता के 100 पदों के लिए योग्यता 10वीं 12वीं स्नातक, आईटीआई होना अनिवार्य है। कुलोदय टेक्नोपैक प्राइवेट लिमिटेड दमन गुजरात में मशीन ऑपरेटर, मैकेनिक, हेल्पर के 100 पदों तथा यशस्वी ग्रुप भोपाल में अप्रेंटिस के 50 पदों के लिए योग्यता आठवीं, दसवीं,

प्रथम पेज का शेष

सीएम यादव करेंगे रियल

नेटवर्क, ई-गवर्नेंस, स्वच्छ ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन, स्मार्ट रोड्स जैसे क्षेत्रों में निवेश की असीम संभावनाएँ हैं। प्रदेश में अफोर्डेबल हाउसिंग में 8 लाख 32 हजार से अधिक किफायती आवास तैयार किये जा चुके हैं और 10 लाख से अधिक नए आवासों पर कार्य चल रहा है, जिनमें लगभग ?50,000 करोड़ का निवेश संभावित है। रियल इस्टेट की योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधन उपलब्ध हैं। पाईपलाइन वॉटर सप्लाई कवरेज की सुविधा और शतप्रतिशत शहरी क्षेत्र सीवरेज सिस्टम उपलब्ध है। नगरीय क्षेत्रों में स्थानीय निकायों में 23 सेवाएं ऑनलाइन डिजिटल प्लेटफार्म पर उपलब्ध कराई गई हैं। नगरीय निकायों में सेन्ट्रलाइज पोर्टल के माध्यम से मंजूरी दी जा रही है। प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं से जु?ी 17 हजार 230 योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है। शहरी क्षेत्रों में स्वच्छ पर्यावरण के लिये 2 हजार 800 करो? और वॉटर फ्रंट से संबंधित डेव्हलपमेंट में 2 हजार करो? रूपये की परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में शहरी क्षेत्रों में सुगम परिवहन व्यवस्था के विस्तार के लिये 21 हजार करो? रूपये की परियोजनाएं संचालित हैं। वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने और पेट्रोलियम ईंधन के कार्बन फुट-फ्रंट रोकने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को ब?ावा दिया जा रहा है। प्रदेश के बड़े शहरों में 552 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू किया जा रहा है। प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करने के लिए इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी-2025 लागू की गई है।

इंदौर में आयोजित यह ग्रोथ कॉन्क्लेव न केवल प्रदेश की शहरी योजनाओं को रफ्तार देगा, बल्कि निवेशकों को एक मजबूत और विश्वसनीय मंच भी प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की नेतृत्व में प्रदेश शहरी परिवर्तन की ओर तेज़ी से अग्रसर है।

नवीन शासकीय भर्तियों के

प्रतिवेदन प्राप्त किया जाए। इस कार्य को आवश्यक समन्वय और सर्वोच्च प्राथमिकता से पूर्ण किया जाए। बैठक में अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन विभाग श्री संजय कुमार शुक्ल ने लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन मंडल और अन्य स्तर से नवीन शासकीय भर्तियों की प्रगति से अवगत करवाया।बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय श्री नीरज मंडलोई, सचिव मुख्यमंत्री श्री सिबि चक्रवर्ती, आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खा? एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सांदीपनि विद्यालय विद्यार्थियों के

शर्मा, श्रीमती वंदना रामचंदानी, श्री योगेश विश्नोई और श्रीमती बख्तौर खान को अंगवस्त्र एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सांदीपनि विद्यालय पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया।

प्रधानमंत्री को 27 देशों का सर्वोच्च सम्मान मिलना देशवासियों को करता है गौरवान्वित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पिछले दिनों प्रधानमंत्री श्री मोदी को नामीबिया, ब्राजील, त्रिनिदाद और टोबैगो तथा घाना के राष्ट्राध्यक्षों द्वारा अपने देश का प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान दिए जाने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी दुनिया में भारत का गौरव बढ़ा रहे हैं। भारत हर क्षेत्र में विकास करते हुए आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री को 27 देशों का सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिलना 140 करोड़ देशवासियों को गौरवान्वित करता है।

झाबुआ और रतलाम सांदीपनि विद्यालय को अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विरासत के साथ विकास की भावना से प्रदेश के सर्व सुविधायुक्त विद्यालय अब महर्षि सांदीपनि के नाम से पहचान बना रहे हैं। इन विद्यालयों में बच्चों के आवागमन के लिए शासकीय बस सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। दूसरी ओर, पात्र स्कूली बच्चों को विद्यालय आने-जाने के लिए राज्य सरकार साइकिलें बांट रही है। ये साइकिलें हमारी आत्मनिर्भरता का प्रतीक हैं। इनसे हमारा स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है। सरकार अगले सत्र में बच्चों को यूनिफॉर्म तैयार करवा कर बांटेगी। साथ ही अगले वर्ष 75 प्रतिशत तक अंक लाने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को लगभग 1 लाख लैपटॉप बांटे जाएंगे। प्रदेश सरकार मेधावी विद्यार्थियों को इलेक्ट्रिक स्कूटी भी वितरित करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस वर्ष झाबुआ और रतलाम सांदीपनि विद्यालय को अंतरराष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार मिला। दसवीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों ने प्राइवेट स्कूलों को पीछे छोड़ दिया।

उज्जैन में प्रारंभ होगा आईआईटी का सेटैलाइट सेंटर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्कूलों के उन्नयन के साथ प्रदेश के 55 पीएम एक्सीलेंस कॉलेजों में भी नई शिक्षा नीति लागू की गई है, जहां विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा प्रदान की जा रही है। इसी उद्देश्य से उज्जैन में आईआईटी का सेटैलाइट सेंटर प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग का विलय कर मेडिकल एजुकेशन एवं हेल्थ सेक्टर में नवाचार किया है। सरकार छोटे शहरों में मेडिकल कॉलेज खोलने पर जोर दे रही है, जिसके फलस्वरूप प्रदेश में आगामी 2 वर्ष के अंदर एमबीबीएस की सीटें 10 हजार हो जाएंगी। मध्यप्रदेश इकलौता ऐसा राज्य है, जहां नीट पास करने के बाद सरकार मेडिकल एजुकेशन के लिए विद्यार्थियों को भरपूर सहयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई पूरी करने के बाद विद्यार्थी केवल नौकरी करने वाले नहीं, नौकरी देने वाले भी बनें। डॉक्टर बनकर छोटे शहरों में अस्पताल खोलें, राज्य सरकार इसके लिए भी 40 प्रतिशत अनुदान प्रदान कर रही है। सरकार युवाओं के स्वावलंबन के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है।

खरीफ सीजन में उन्नत खेती के लिए किसानों को सलाह

बैतूल/नवप्रदेश। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा किसानों को खरीफ सीजन के लिए उपयुक्त तकनीकी सलाह दी गई है। खरीफ सीजन में किसानों द्वारा सोयाबीन, मक्का, धान, अरहर एवं अन्य फसलों की बुआई का कार्य पूर्ण हो चुका है। किसान भाई अब फसल 15 दिवस की हो जाने पर खरपतवार नाश दवा का छिकाव करें और फसल की पत्तियां छितर गई है तो इल्लीमार दवा का छिकाव आवश्य करें। किसानों को सलाह दी गई है कि अपने क्षेत्र की मिट्टी, जलवायु को ध्यान में रखते हुए फसल का चयन करें। फसल विविधीकरण करें, ताकि किसान विभिन्न जोखिमों से बच सकें। मिट्टी की संरचना में सुधार के लिए जैविक खाद का उपयोग करें। किसान दलहनी-तिलहनी फसलों की बुआई मेड़ नाली पद्धति या ब्राडबैंड फरो पद्धति से करें, ताकि फसलों को जल भराव एवं सूखे से बचाया जा सके और अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सके। किसानों को सलाह दी है कि खाद और उर्वरक का प्रयोग सही मात्रा में करें। फसल की बुवाई के बाद खरपतवार नियंत्रण के लिए निराई-गुड़ाई करें। रासायनिक खरपतवार नाशक का उपयोग करें, लेकिन सावधानी से और निर्देशों का पालन करें। कीट और रोग प्रबंधन लिए उचित उपाय करें। कीटों और रोगों के बारे में जानकारी प्राप्त करें और उनके नियंत्रण के कीटनाशक और फफूंद नाशक का उपयोग करें, लेकिन सावधानी से। किसान एक ही फसल पर निर्भर रहने के बजाय विभिन्न फसलों की खेती करें। फसल विविधीकरण से मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है और जोखिम कम होता है। खरीफ सीजन में धान, मक्का, सोयाबीन, मूंगफली, उड़द, मूंग आदि फसलें प्रमुख हैं। किसान इन फसलों को स्थानीय जलवायु और मिट्टी के

न्यूज गैलरी

द हाउस ऑफरेयर ने रायपुर के करंसी टॉवर में किया छत्तीसगढ़ के अपने सबसे बड़े स्टोर का शुभारंभ

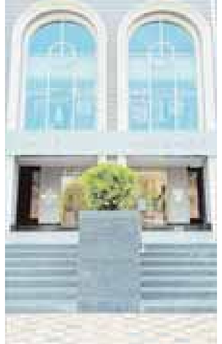

रायपुर/नवप्रदेश। देश के प्रमुख कंटेम्परारी फैशन ब्रांड, द हाउस ऑफरेयर ने रायपुर में अपने तीसरे स्टोर के शुभारंभ के साथ एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह नया स्टोर जीई वीआईपी रोड स्थित करंसी टॉवर में शुरू किया गया है और ब्रांड की उस सोच को आगे बढ़ाता है, जिसमें प्रीमियम फैशन को भारत के हर कोने में पहुँचाना शामिल है। यह नया स्टोर छत्तीसगढ़ की राजधानी में फैशन के एक नए हब के रूप में उभरने के लिए तैयार है। 3,200 वर्गफुट में फैला और दो मंज़िला यह शानदार स्टोर, फैशन, डिज़ाइन और रिटेल अनुभव का एक बेहतरीन मेल है। ग्राउंड फ्लोर पर रेयरिज़्म मौजूद है, जहाँ पर मॉडर्न भारतीय महिलाओं के लिए स्टाइलिश और शानदार कलेक्शन उपलब्ध है। इसी मंज़िल पर रेयर वन्स बाय रेयर रैबिट भी है, जो 4 से 16 साल के लड़कों के लिए एक रंगीन और एक्सप्रेसिव सेक्शन है। पहली मंज़िल पर रेयर रैबिट का नायाब कलेक्शन पेश किया गया है, जहाँ प्रोग्रेसिव मेंसवियर को क्लासिक एलिगेंस के साथ मिलाया गया है। यही नहीं, पहली मंज़िल पर ही आपको मिलेगा रेयर्ज़ बाय रेयर रैबिट, जो स्ट्रीट-स्मार्ट फुटवियर और फैशन के लिए एक बोल्ड और न्यू-एज सेक्शन है, खासकर फैशन के शौकीन ग्राहकों के लिए। इस भव्य और दो-लेवल वाले स्टोर के साथ, द हाउस ऑफरेयर रायपुर के फैशनप्रेमियों के लिए एक नया और अनूठा अनुभव पेश कर रहा है, जहाँ स्टाइल, आत्मविश्वास और रचनात्मकता साथ-साथ चलते हैं।

मस्क की कंपनी 'स्टारलिंक' को भारत में सभी मंजूरियां मिलीं, जल्द मिलेगा हाईस्पीड सैटेलाइट इंटरनेट

नई दिल्ली। भारत में सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सर्विस शुरू करने के लिए एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक को बुधवार को देश के स्पेस रेगुलेटर भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) से मंजूरी मिल गई है। इन-स्पेस की वेबसाइट पर उपलब्ध ऑथराइजेशन लिस्ट के अनुसार, इस मंजूरी के बाद स्टारलिंक के लिए देश में कमर्शियल सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सर्विस शुरू करने के लिए अंतिम विनियामक बाधा दूर हो गई है। स्टारलिंक को अब सरकार से स्पेक्ट्रम हासिल करना होगा और अपनी सेवाओं के लिए जमीनी इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करना होगा। दूरसंचार विभाग (डीओटी) सुरक्षा अनुपालन को पूरा करने के लिए अमेरिकी अंतरिक्ष कंपनी को ट्रायल स्पेक्ट्रम देने के लिए तैयार है।

2025 की पहली छमाही में पारंपरिक ऑफिस स्पेस की लगभग 50 प्रतिशत मांग को इन दोनों बाजारों द्वारा पूरा किया जाएगा

भारत 2025 में दुनिया के टॉप 10 टेक मार्केट में होगा शामिल : रिपोर्ट

बेंगलुरु। भारत 2025 में खासकर प्रतिभा उपलब्धता के मामले में दुनिया के टॉप 10 टेक मार्केट में शामिल होगा, जिसमें देश के टॉप छह शहर पहले से ही एशिया-प्रशांत क्षेत्र में तकनीकी प्रतिभा अधिग्रहण के लिए टॉप 10 की सूची में शामिल हैं। कोलियर्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया प्रशांत क्षेत्र एक ग्लोबल टेक टैलेंट हब के रूप में तेजी से आगे बढ़ रहा है, जहां दुनिया के टॉप 10 स्थानों में से तीन भारत (बेंगलुरु), जापान (टोक्यो) और चीन (बीजिंग) में स्थित हैं।

कोलियर्स के इंडिया ऑफिस सर्विसेस मैनेजिंग डायरेक्टर अर्पित मेहरोत्रा ने कहा, भारत टेक टैलेंट का पावरहाउस है और ग्लोबल इनोवेशन इकोसिस्टम में एक की प्लेयर है, जिसे देश के टियर-1 और उभरते शहरों में कुशल प्रतिभा और रोजगार के अवसरों की उपलब्धता का समर्थन प्राप्त है।

भारत के प्रमुख तकनीकी शहरों में एशिया प्रशांत क्षेत्र की कुल तकनीकी प्रतिभा का 69 प्रतिशत हिस्सा है। बेंगलुरु और हैदराबाद, जो इस क्षेत्र के सबसे बड़े प्रतिभा समूहों की मेजबानी करते हैं, टेक लीजिंग एक्टीविटी में अग्रणी बने हुए हैं और 2025 की पहली छमाही में पारंपरिक ऑफिस स्पेस की लगभग 50 प्रतिशत मांग को इन दोनों बाजारों द्वारा पूरा किया जाएगा।

मेहरोत्रा ने आगे कहा, हाई-क्वालिटी ऑफिस स्पेस की उपलब्धता, मजबूत आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर और लागत प्रतिस्पर्धा के साथ, भारत के ऑफिस मार्केट, टेक्नोलॉजी-लेड ग्लोबल इकोनॉमिक विस्तार के लिए टॉप गंतव्यों में प्रमुखता से शामिल होते रहेंगे। रिपोर्ट में प्रतिभा अधिग्रहण, वेंचर कैपिटल (वीसी) फंडिंग, लेबर इंडेक्स, टैलेंट पाइपलाइन और क्षेत्र संरचना के आधार पर 200 से अधिक

ग्लोबल मार्केट का विश्लेषण किया गया। भारत एशिया प्रशांत क्षेत्र के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी तकनीकी प्रतिभाओं के लिए शीर्ष गंतव्यों में से एक है। रिपोर्ट में पाया गया कि बेंगलुरु और हैदराबाद भारत में पसंदीदा तकनीकी गंतव्य बने हुए हैं, इसके बाद अन्य प्रमुख बाज़ार हैं, जो सभी कुशल प्रतिभाओं की उपलब्धता और एक मैच्योर टेक इकोसिस्टम वाली वैश्विक तकनीकी कंपनियों को आकर्षित करते हैं।भारत के टॉप सात शहरों में टेक्नोलॉजी सेक्टर के ऑक्यूपायर्स ऑफिस स्पेस की मांग का आधार बने हुए हैं, जिसने पिछले कुछ वर्षों में कन्वेंशनल और फ्लेक्स स्पेस दोनों प्रकार के स्थानों में ग्रेड ए स्थान की मांग को बढ़ावा दिया है।2025 की पहली छमाही के दौरान, तकनीकी कंपनियों ने शीर्ष सात शहरों में 1 करोड़ वर्ग फुट से ज्यादा ऑफिस स्पेस लीज पर लिया, जिससे कन्वेंशनल स्पेस की मांग का 40 प्रतिशत हिस्सा हासिल हुआ। फ्लेक्स स्पेस में भी, लगभग आधी मांग तकनीकी कंपनियों से आई।वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) विशेष रूप से तकनीकी क्षेत्र में भारत के कमर्शियल रियल एस्टेट क्षेत्र में गति को आगे बढ़ा रहे हैं। इनोवेशन, मापनीयता और लागत दक्षता पर जोर देते हुए, भारत ने खुद को जीसीसी विस्तार के लिए एक ग्लोबल हब के रूप में स्थापित किया है।कोलियर्स इंडिया के नेशनल डायरेक्टर और रिसर्च हेड विमल नादर ने कहा, भारत वैश्विक कंपनियों, खासकर तकनीकी क्षेत्र की कंपनियों के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बना हुआ है, जहां जीसीसी ट्रेडिशनल बैक-ऑफिस कार्यों से रणनीतिक इनोवेशन हब के रूप में लगातार विकसित हो रहे हैं। 2025 की पहली छमाही में, तकनीकी व्यवसायियों ने कुल जीसीसी लीजिंग के 41 प्रतिशत हिस्से यानी 52 लाख वर्ग फुट का योगदान दिया।

दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (सीईसीए) पर भी चर्चा की

निष्पक्ष व्यापार के लिए आसियान सदस्य देशों के साथ बातचीत में तेजी लाने की उम्मीद : पीयूष

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि मलेशिया के निवेश, व्यापार और उद्योग मंत्री तजफरुल अजीज के साथ उनकी एक सार्थक बैठक हुई, जिसमें उन्होंने आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौते (एआईटीआईजीए) की चल रही समीक्षा पर चर्चा की।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, निष्पक्ष व्यापार और संतुलित विकास सुनिश्चित करने के लिए आसियान सदस्य देशों के साथ बातचीत में तेजी लाने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, हमने दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (सीईसीए) पर भी चर्चा की। मलेशिया आर्थिक मामलों पर आसियान की ओर से भारत का परमानेंट कोऑर्डिनेटर है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस सप्ताह रियो डी जेनेरियो में ब्रिक्स समिट के दौरान अपने मलेशियाई समकक्ष अनवर बिन इब्राहिम से भी मुलाकात की थी और अन्य मुद्दों के

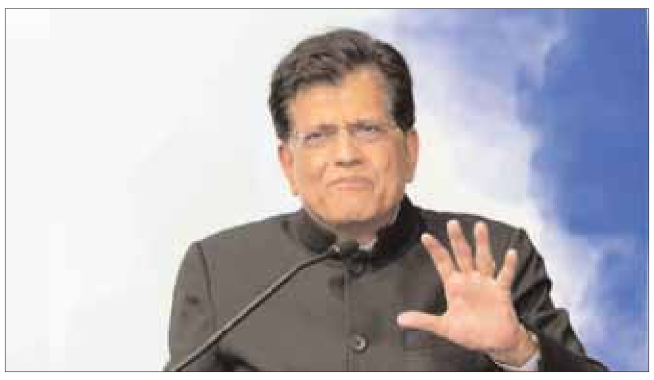

अलावा, आसियान-भारत मुक्त व्यापार समझौते की समीक्षा पर भी चर्चा की थी।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने आसियान के सफल नेतृत्व के लिए मलेशिया को बधाई दी और आसियान-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत बनाने के लिए उसके निरंतर समर्थन का स्वागत किया, जिसमें आसियान-भारत मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की समीक्षा को शीघ्र और सफलतापूर्वक पूरा करना भी शामिल है। एआईटीआईजीए दस आसियान सदस्य देशों (ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम) और भारत के बीच एक व्यापार समझौता है। इसका उद्देश्य व्यापार को सुगम बनाने के लिए शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को कम करना है। यह समझौता 2009 में हस्ताक्षरित हुआ था और 1 जनवरी, 2010 को एक व्यापक व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (सीईसीए) के फ्रेमवर्क के हिस्से के रूप में लागू हुआ। एआईटीआईजीए भौतिक वस्तुओं के व्यापार पर केंद्रित है और सेवाओं के व्यापार को कवर नहीं करता है, जिनका उल्लेख 2014 में हस्ताक्षरित एक अलग समझौते में किया गया है। एआईटीआईजीए ने भारत और आसियान के बीच व्यापार को बढ़ाने में योगदान दिया है, जिससे 2023-24 में द्विपक्षीय व्यापार 121 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है।

एआईटीआईजीए भारत और आसियान के बीच अधिक इकोनॉमिक इंटीग्रेशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इसकी समीक्षा से व्यापार और निवेश के अवसरों में और वृद्धि होने की उम्मीद है।

अल्ट्राटेक सीमेंट की लाइमस्टोन खदान को इंडियन ब्यूरो ऑफ माइन्स खनन मंत्रालय द्वारा 5-स्टार रेटिंग से किया गया सम्मानित

रायपुर। अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड की तेरह लाइमस्टोन खदानों को वित्त वर्ष 2023-24 के लिए इंडियन ब्यूरो ऑफ माइन्स, खनन मंत्रालय द्वारा सस्टैनबल माइनिंग में उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार समारोह 7 जुलाई 2025 को जयपुर, राजस्थान में आयोजित किया गया।

जिन तेरह खदानों को सम्मान प्राप्त हुआ, उनमें एक है परसवानी लाइमस्टोन माइन, जो अल्ट्राटेक की इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग यूनिट हिरमी सीमेंट वर्क्स का हिस्सा है और बालौदा बाजारङ्कभाटापारा, छत्तीसगढ़ में स्थित है। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब हिरमी सीमेंट वर्क्स यूनिट को यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुआ है। अल्ट्राटेक के हिरमी सीमेंट वर्क्स ने अपने खनन क्षेत्र में जल संचयन, हरित पट्टी विकास, सामुदायिक भागीदारी और आसपास के कई गांवों को गोद लेने जैसे प्रयासों के माध्यम से खुद को अन्य खदानों से अलग साबित किया।

अल्ट्राटेक की बारह लाइमस्टोन खदानों को 5-स्टार रेटिंग प्रदान की गई, जबकि एक खदान को 'ग्रीन माइनिंग' में असाधारण कार्य के लिए 7-स्टार रेटिंग का सर्वोच्च सम्मान प्राप्त हुआ। यह देश की एकमात्र लाइमस्टोन खदान है जिसे यह रेटिंग मिली है। इस कार्यक्रम के दौरान, कोयला और खनन मामलों के केंद्रीय मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने भारत की सबसे बड़ी सीमेंट और रेडी-मिक्स कंक्रीट (आरएमसी) कंपनी अल्ट्राटेक को वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सतत विकास और संचालन में इन खदानों की उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया।

खेल, मनोरंजन

भारतीय टीम एजबेस्टन में टेस्ट जीतने वाली पहली एशियाई टीम बन गई

नईदिल्ली। बर्मिंघम के एजबेस्टन में पहली टेस्ट जीत दर्ज कर भारत ने कई रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। वो एजबेस्टन में टेस्ट मैच जीतने वाली पहली एशियाई टीम बन गई है। इसके अलावा वहां पहली बार किसी एशियाई टीम 1000 से ज्यादा रन बनाने में कामयाब रही. भारत ने एजबेस्टन टेस्ट की पहली पारी में 587 और दूसरी पारी 427 रन बनाए थे।

एजबेस्टन टेस्ट जीत के साथ भारतीय टीम ने एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है और वो ये है कि टीम इंडिया अब सेना देशों यानी साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा टेस्ट मैच जीतने वाली टीम बन गई है. इससे पहले ये रिकॉर्ड

पाकिस्तान के नाम था, जिन्होने 148 मैचों में 29 मुकाबले जीते थे. लेकिन अब ये रिकॉर्ड भारत के नाम हो गया है, जिन्होंने 178 टेस्ट मैचों में 30 मुकाबले जीते हैं. तीसरे नंबर श्रीलंका की टीम है जिसने 76 मुकाबले में सिर्फ 9 टेस्ट मैच सेना देशों में जीते है. जबकि बांग्लादेश ने इन चार देशों में 25 टेस्ट मैच खेले हैं लेकिन उन्हें केवल न्यूजीलैंड में एक जीत मिली है. जो उन्होंने 2022 में हासिल की थी। टीम इंडिया ने पांच मैचों की सीरीज में पहले टेस्ट में हार के बावजूद दूसरे टेस्ट में शानदार वापसी की और सीरीज एक एक से बराबर कर दी. लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट में भारत 371 रनों को डिफेंड नहीं कर सका।

जिसकी वजह से इंग्लैंड ने 5 विकेट खोकर रिकॉर्ड टारगेट चेज करके इतिहास रच दिया. लेकिन एजबेस्टन में खेले गए दूसरे मैच में इंडिया नें इंग्लैंड को 608 रनों का विशाल टारगेट देकर पहले ही मैच से बाहर कर दिया था और फिर पांचवें दिन मेजबान को 241 रनों पर ऑलआउट करके 336 रनों से बड़ी जीत दर्ज की थी. सीरीज का तीसरा मैच 10 जुलाई सो लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

डायरेक्टर प्रेम की फिल्म केडी - द डेविल का टीज़र 5 बड़े शहरों होगा रिलीज़

जिसमें ध्रुव सरजा, संजय दत्त, शिल्पा शेट्टी और अन्य सितारे शामिल होंगे

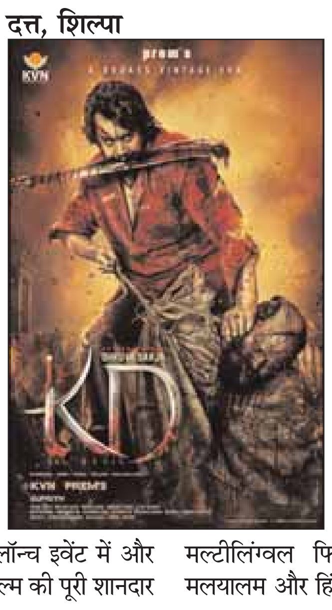

डायरेक्टर प्रेम की केडी - द डेविल इस समय सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक बन चुकी है। फिल्म के प्रति उत्साह को और बढ़ाने के लिए मेकर्स एक भव्य टीज़र लॉन्च इवेंट की योजना बना रहे हैं, जो 5 बड़े शहरों में आयोजित होगा। इसकी शुरुआत 10 जुलाई को मुंबई और हैदराबाद से होगी, इसके बाद 11 जुलाई को चेन्नई और कोच्चि में, और अंत में 12 जुलाई को बेंगलुरु में इसका समापन होगा।टीज़र लॉन्च इवेंट में और भी चार चांद लगाने के लिए फिल्म की पूरी शानदार स्टारकास्ट शामिल होगी। इस इवेंट की शोभा बढ़ाएंगे - ध्रुव सरजा, संजय दत्त, शिल्पा शेट्टी, रेश्मा नानैया, निर्माता सुप्रीत और डायरेक्टर प्रेम। केडी - द डेविल एक पीरियड एक्शन एंटरटेनर है जो 1970 के दशक के बेंगलुरु की सच्ची घटनाओं पर आधारित है। इसे केवीएन प्रोडक्शन द्वारा प्रस्तुत किया गया है और निर्देशन किया है प्रेम ने। फिल्म में ध्रुव सरजा, संजय दत्त, शिल्पा शेट्टी, नोरा फतेही, रमेश अरविंद और वी. रविचंद्रन जैसे सितारे प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह पैन-इंडिया मल्टीलिंग्वल फिल्म तमिल, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम और हिंदी में रिलीज़ होने जा रही है।

अजय देवगन की सन ऑफ सरदार 2 का मुख्य गाना जारी, 25 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी फिल्म

रेड 2 की सफलता के बाद अब अभिनेता अजय देवगन अपनी सुपरहिट फिल्म सन ऑफ सरदार का सीक्वल लेकर आ रहे हैं। यह इस साल की बहुचर्चित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म का दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म होने वाला है। यह फिल्म 25 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अब इससे पहले निर्माताओं ने सन ऑफ सरदार 2 का मुख्य गाना जारी कर दिया है। सन ऑफ सरदार 2 में अजय जबरदस्त डांस करते नजर आएंगे। वह एक बार फिर जस्सी रंधावा के रूप में बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। सन ऑफ सरदार 2 में अजय की जोड़ी पहली बार मृणाल ठाकुर के साथ बनी है। इसमें रवि किशन, कुब्रा सेठ, संजय मिश्रा, दीपक डोबरियाल, विंदू दारा सिंह, मुकुल देव, चंकी पांडे और नीरू बाजवा जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। विजय कुमार अरोड़ा ने इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभाली है।

एजबेस्टन की हार पर एंडरसन की इंग्लैंड को नसीहत

नईदिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा मैच 10 जुलाई से लॉर्ड्स में खेला जाएगा। सीरीज अभी एक-एक से बराबरी पर खड़ी है, क्योंकि इंग्लैंड को एजबेस्टन टेस्ट में भारत के हाथों 336 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा था, जबकि लीड्स टेस्ट में भारत 5 विकेट से हारा था.

दूसरे टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन ने हर किसी का दिल जीत लिया, क्योंकि टेस्ट इतिहास में पहली बार भारत ने एक मैच में 1014 रन बनाए थे. जिसमें सिर्फ कप्तान शुभमन गिल के अकेले 430 रन शामिल हैं. इसके अलावा दूसरे खिलाड़ियों ने भी शानदार पारियां खेलीं. वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड टीम की गेंदबाजी पर सवाल उठ रहे हैं और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को टीम में शामिल किए जाने की अपील कर रहे हैं। इंग्लैंड के महान खिलाड़ी जेम्स एंडरसन का भी मानना है कि लॉर्ड्स में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट में तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जाना चाहिए. आईसीसी ने एंडरसन के हवाले से कहा, आप उन्हें (आर्चर) सीरीज में बाद में खिला सकते हैं, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी होगी. मुझे लगता है कि उन्हें तीसरे टेस्ट में होना चाहिए. उन्होंने काउंटी में ससेक्स के लिए एक मैच खेला है, वह एजबेस्टन में टीम के साथ थे और उन्होंने थोड़ी गेंदबाजी भी की. मुझे लगता है कि आपको उन्हें खिलाना ही होगा, क्योंकि यह बहुत महत्वपूर्ण मैच है। बता दें पहले टेस्ट के बाद ही जोफ्रा आर्चर को टीम में शामिल कर लिया गया था और उस समय ये उम्मीद जताई जा रही थी कि वो दूसरे मैच में खेलेंगे. लेकिन इंग्लैंड ने दूसरे मैच में भी उसी टीम को खिलाने का फैसला किया जो पहले टेस्ट में खेली थी. ये भी उल्लेखनीय है कि आर्चर ने चार साल से अधिक समय से टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है, लेकिन हाल ही में ससेक्स के लिए प्रथम श्रेणी स्तर पर लाल गेंद से वापसी की है.

हालांकि इंग्लैंड के हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने आर्चर की वापसी की कोई गारंटी नहीं दी है, लेकिन उन्होंने कहा कि दाएं हाथ

विराट कोहली ने टेस्ट रिटायरमेंट पर तोड़ी चुप्पी

लंदन में बताई संन्यास लेने की सबसे बड़ी वजह

नईदिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली इन दिनों लंदन में हैं. जहां उन्हें पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ विंबलडन 2025 में नोवाक जोकोविच का मैच देखते हुए भी देखा गया. इस के अलावा ये स्टार खिलाड़ी लंदन में ही युवराज सिंह के चैरिटी संस्थान यू वी कैन फाउंडेशन के तहत आयोजित एक डिनर में भी पहुंचा, जहां टीम इंडिया के अलावा दुनिया के दिग्गज खिलाड़ी भी मौजूद थे। इस मौके पर विराट कोहली ने पहली बार टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बारे में सार्वजनिक रूप से बात की. जब उनसे पूछा गया कि फैंस आपको टेस्ट क्रिकेट में मिस कर रहे हैं तो इस पर विराट कोहली ने मजेदार बात कही. उन्होंने कहा, मैंने अभी दो दिन पहले ही अपनी दाढ़ी को रंगा है. आप जानते हैं कि जब हर चार दिन में अपनी दाढ़ी को रंगा जाने लगे तो आपको पता चल जाता है कि अब समय आ चुका है. दरअसल कोहली इस मजेदार बात से ये बताना चाह रहे थे कि उनके लिए अब अपने शानदार टेस्ट करियर को अलविदा कहने का समय आ गया है। इस मौके पर विराट कोहली ने युवराज सिंह के साथ अपने रिश्ते के बारे में भी खुलकर बात की. उन्होंने कहा, हमारे बीच बहुत अच्छा रिश्ता है।

■ न्यूज गैलरी

गर्ल्स स्कूल में गुरु पूर्णिमा पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ

विधायक टंडन ने गुरुओं का जीवन में क्या महत्व है पर प्रकाश डाला

विदिशा/नवप्रदेश। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर पीएम श्री महारानी लक्ष्मीबाई कन्या विद्यालय में गुरु पूर्णिमा के कार्यक्रम का शुभारंभ विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन, विद्यालय की प्राचार्य डॉ. दीप्ति शुक्ला के द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। तत्पश्चात छात्रों के द्वारा मुख्य अतिथि एवं विद्यालय परिवार के गुरुजनों को तिलक लगाकर उनका स्वागत किया। गुरु वंदना की प्रस्तुति संगीत शिक्षक श्री ओमप्रकाश चैबे के निर्देशन में छात्राओं के द्वारा की गई। मुख्य अतिथि विधायक श्री मुकेश टंडन ने छात्राओं को गुरुओं की महिमा के बारे में विस्तार से बताया और गुरु का जीवन में महत्व समझाया। स्वागत उद्बोधन विद्यालय प्राचार्य डॉ. दीप्ति शुक्ला के दिया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती आभा पाराशर ने किया। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। आभार विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक श्री सौदान सिंह सूर्य वंशी द्वारा किया गया।

बंद ऋतु में कलियासोत जलाशय में अवैध मत्स्याखेट पर में की गई कार्यवाही

भोपाल/नवप्रदेश। जिले में 16 जून से 15 अगस्त तक मत्स्य प्रजनन काल रहता है। इस दौरान तालाबों एवं जलाशयों से मछली पकड़ना, परिवहन करना एवं विक्रय प्रतिबंधित है। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह द्वारा जिले में सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए है। सहायक संचालक मत्स्योद्योग श्री शिरीष अग्निहोत्री जिला भोपाल द्वारा मत्स्य विभाग के निगरानी दल का गठन किया गया। सहायक संचालक मत्स्योद्योग श्री शिरीष अग्निहोत्री जिला भोपाल के निर्देशन में निगरानी दल द्वारा गुरुवार की दरमियानी रात तथा 06 जुलाई 2025 को कलियासोत जलाशय पर छापा मारकर 03 नाव एवं लगभग 3 क्विंटल वजन के जाल जब्त किये गये। अवैधानिक मत्स्याखेट चैकिंग के दौरान निगरानी दल प्रभारी उमराव सिंह कौरब मत्स्य निरीक्षक सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। साथ ही फिशिंग गियर से मत्स्याखेट करने वाले व्यक्तियों को बंद ऋतु के दौरान चले रहे प्रतिबंध के बारे में अवगत कराते हुए आगे से मत्स्याखेट न करने की चेतावनी दी गई।

सहायक संचालक मत्स्योद्योग श्री शिरीष अग्निहोत्री द्वारा बताया गया कि छापामार कार्यवाही लगातार भोपाल जिले के समस्त जलाशयों, परिवहन मार्गों तथा विक्रय स्थलों पर जारी रहेगी।

खिलचीपुर में स्वास्थ्य अमला तैनात

40 मरीज हुए चिन्हित जिनका उपचार पूर्ण किया, पूरे नगर में स्वास्थ्य अमला करेगा सर्वे

राजगढ़/नवप्रदेश। नगर में उल्टी एवं दस्त के मरीजों की जानकारी मिलने पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शोभा पटेल ने गुरूवार को जिला स्तरीय डॉक?टरों का एक दल गठित कर खिलचीपुर पहुंचा दिया है। दल प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. नितिन पटेल ने खिलचीपुर अस्पताल पहुंचकर मरीजों की जानकारी प्राप्त की। डॉ. पटेल के अनुसार अस्पताल में पिछले एक हफ्ते में 40 मरीज उल्टी और दस्त की बीमारियों के भर्ती हुए थे। जिनका उपचार कर दिया गया और अब सभी मरीज स्वस्थ्य हैं। इसके अलावा अस्पताल में पर्याप्त दवाईयों की व्यवस्था बनाई गई है और लेबोरेटरी को 24 घंटे खुला रखने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पटेल ने बताया कि हालात काबू में है और कोई गंभीर मरीज अस्पताल में भर्ती नहीं है, न ही रिफर किया गया। जितने भी मरीज अस्पताल आए थे उनकी जानकारी लेने पर पता चला कि कहीं न कहीं दूषित पेयजल के उपयोग से उक्त घटना हुई है। इस संबंध में पीएचई के अधिकारियों, नगरपालिका सीएमओ एवं अन्य संबंधित अधिकारियों द्वारा समस्त पेयजल सप्लाई चैक किए गए एवं फूड सेफ्टी ऑफिसर द्वारा वाटर प्लांट्स से सेंपल लिए गए हैं। अस्पताल के समस्त स्टॉफ को 24 घंटे आपातकालीन सेवाओं में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं, समस्त अवकाश निरस्त कर दिए हैं। जिला टीम में डीआईओ डॉ. एलपी भकोरिया, सीबीएमओ डॉ. पच्चीसिया, जिला महामारी नियंत्रक डॉ. महेंन्द्रपाल सिंह, डॉ. विशाल, डॉ. मीणा, बीपीएम रामबाबू दांगी सहित अन्य स्वास्थ्य अमला मौजूद था।

बारिश में रखना होगा विशेष सावधानियां

जिला महामारी नियंत्रक डॉ. महेंद्रपाल सिंह ने बताया कि इस समय बारिश का मौसम अपने चरम पर है। ऐसे में पेयजल स्तोत्रों और खाने की वस्तुओं पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। बाहर का पानी और खाना दोनों में से कोई भी जरा भी दूषित होता है तो शरीर में तुरंत बदलाव दिखाई देने लगता है और व्यक्ति चक्कर, उल्टी, दस्त और सर्दी, खांसी से पीति हो सकता है। सीएमएचओ डॉ. पटेल ने जिले के समस्त सीबीएमओ को निर्देशित किया है कि किसी भी अस्पताल की ओपीडी में एक ही बीमारी से ग्रसित मरीज आते हैं और उनका निवास स्थान एक ही जगह है तो तुरंत स्वास्थ्य अमला उस जगह का सर्वे कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा और वहां स्वास्थ्य शिविर लगाकर मरीजों का वहीं उपचार सुनिश्चित करेंगे। इस प्रकार किसी भी बीमारी को बढ़ने से पहले रोका जा सकता है।

स्थानीय प्रशासन सजग

अनुविभागीय राजस्व अधिकारी खिलचीपुर श्रीमती अंकिता जैन ने बताया कि वे घटना को लेकर पूरी तरह सजग है एवं प्रभावितों का अपनी निगरानी उपचार करा रहीं है।

13 जुलाई को प्रदर्शन करेंगे बिजलीकर्मी

नियमितीकरण को लेकर सरकार से नाराजगी; प्रदेशभर से भोपाल में जुटेंगे कर्मचारी

भोपाल/नवप्रदेश। संविदा कर्मचारियों को नियमित करने समेत 9 सूत्रीय मांगों को लेकर 13 जुलाई को मध्यप्रदेश के बिजलीकर्मी प्रदर्शन करेंगे। उनका कहना है कि सरकार को 4 जुलाई तक चर्चा करने की बात कही थी। बावजूद चर्चा नहीं हुई। इसके चलते अब आंदोलन का रास्ता अपनाना पेगा। यूनाइटेड फोरम फॉर पावर एम्पलाई इंजीनियर संगठन के बैनर तले यह आंदोलन होगा। प्रवक्ता लोकेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि भोपाल में यह प्रदर्शन नीलम पार्क में होगा। इसमें प्रदेशभर से बिजलीकर्मी जुटेंगे।

5 हजार संविदा कर्मचारी कार्यरत

प्रवक्ता श्रीवास्तव ने बताया कि बिजली विभाग में 5 हजार संविदा कर्मचारी कार्यरत हैं। सभी संविदा कर्मी संपूर्ण चयन प्रक्रिया के तहत लिखित, साक्षात्कार, मेरिट के माध्यम से भर्ती हुए हैं, लेकिन भविष्य सुरक्षित महसूस न कर पाने की वजह से 10-12 साल के अनुभवी संविदा कर्मी अब नौकरी छोकर दूसरे विभागों में जा रहे हैं। ट्रांसमिशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन विभाग के 100 से अधिक संविदा कर्मी नौकरी छो चुके हैं। उनके आंदोलन पर जाने से बिजली सप्लाई व्यवस्था ठप हो सकती है।

डीएलसीसी की बैठक सम्पन्न

हितग्राहीमूलक योजनाओं में वित्त पोषण में लापरवाही बरतने वाले बैंको से शासकीय खाता बंद किए जाएंगे

विदिशा/नवप्रदेश। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में डीएलसीसी की विशेष बैठक गुरूवार को कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित की गई थी। जनसुरक्षा कैम्पेन एवं शासकीय ऋण योजनाओं की अद्यतन प्रगति का जायजा कलेक्टर द्वारा लिया गया है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने सभी बैंकर्स प्रतिनिधियों को निर्देशित किया है कि हितग्राहीमूलक योजनाओं और जनसुरक्षा बीमा योजना के प्रकरणो का निराकरण समय सीमा में नहीं करने वाले बैंको से शासकीय खातो को दूसरी बैंको में शिफ्ट कराया जाएगा। उन्होंने पंजाब नेशनल बैंक की शाखा के द्वारा उपरोक्त कार्यो में ढीला रवैया अपनाए जाने के फलस्वरूप जिन विभागो के शासकीय खाते पीएनबी शाखा विदिशा में है उन विभागो के अधिकारियो को निर्देशित किया है कि शीघ्र ही खाता एसबीआई शाखा में शिफ्ट कराने की कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि बैंकर्स द्वारा हितग्राहीमूलक योजनाओं के वित्तीय पोषण में ढीला रवैया अपनाया जाता है तो संबंधित बैंक के जीएम को पत्र के माध्यम से अवगत कराया जाएगा और बैंक शाखा प्रबंधक के खिलाफ कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी। कलेक्टर श्री गुप्ता ने डीएलसी की उपरोक्त विशेष बैठक में जनसुरक्षा योजना अर्थात प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, प्रधानमंत्री जीवन सुरक्षा योजना की पहुंच बढाने के उद्धेश्य से ग्राम स्तरो पर आयोजित होने वाले शिविरो के अभियानो पर विशेष जोर दिया है। उन्होंने कहा कि योजनाओं के लिए तीन माह का संतृप्ति अभियान संचालित किया जा रहा है अभियान का मुख्य उद्धेश्य सभी बैंक खाताधारको की बीमा संबंधी प्रीमियम की कटौत्री कर आपदा संकट के समय परिवार के अन्य सदस्यों को बीमित राशि का लाभ दिलाया जाना है। अभियान के तहत प्रत्येक सप्ताह के दो दिन बुधवार एवं गुरूवार को विशेष शिविरो का आयोजन किया जा रहा है लीज बैंक आफीसर ने शिविर आयोजन के पूर्व तैयारियों, संचार रणनीति के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारियां सांझा की । उन्होंने शिविरो की व्यवस्था, निगरानी रिपोर्टिंग के साथ-साथ जिम्मेदारियों के संबंध में अवगत कराया है। कलेक्टर श्री गुप्ता के द्वारा डीएलसीसी की इस बैठक में एसआरएलएम के स्वसहायता समूहो द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रगति जिसमें सीसीएल लक्ष्य जमा व स्वीकृत प्रस्ताव के अलावा वितरण इत्यादि की समीक्षा बैंकवार की गई है। इस दौरान जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के माध्यम से क्रियान्वित मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के अंतर्गत इस वित्तीय वर्ष के लिए बैंकवार प्रेषित किए गए प्रकरण इसी प्रकार पीएम विश्वकर्मा योजना के प्रकरण स्वीकृत, वितरण, रिजेक्ट व लंबित प्रकरणो की पृथक-पृथक समीक्षा की गई है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने उद्यानिकी विभाग के माध्यम से क्रियान्वित प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना (पीएमएफएमई योजना) के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारियां सांझा की गई और उक्त योजना के तहत बायो प्रोडक्ट यूनिट लगाने पर विशेष बल दिया गया है। पशुपालन विभाग के माध्यम से क्रियान्वित डाक्टर भीमराव अम्बेडकर कामधेनू योजना, राष्ट्रीय पशु मिशन उद्यमिता विकास, आचार्य विद्यासागर गौसंवर्धन योजना, पशुपालन किसान क्रेडिट कार्ड योजना, वृदांवन ग्राम योजना तथा मत्स्यपालन विभाग के माध्यम से डेयरी केसीसी, की तर्ज पर मत्स्यपालको को भी केसीसी जारी करना तथा जिला आदिवासी वित्त विकास निगम के माध्यम से क्रियान्वित भगवान बिरसा मुण्डा रोजगार योजना, टटंया मामा आर्थिक कल्याण योजना तथा जिला अन्त्वसायी सहकारी विकास समिति तथा संचालित संत रविदास स्वरोजगार योजना, डा भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना, पिछडा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण के लिए संचालित योजना तथा आकांक्षी जिले के तहत चिन्हित हितग्राहियो के उन्मुखीकरण हेतु क्रियान्वित विशेष योजनाओं की बैंकवार वित्तीय पोषण की कार्यवाही की समीक्षा की गई है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने जन सुरक्षा योजना के तहत प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, प्रधानमंत्री जीवन सुरक्षा योजना के क्रियान्वयन हेतु जिला स्तरीय बीमा समिति के कार्यो की भी समीक्षा की है। बैठक में समिति के उद्धेश्य एवं कार्यो को भी सांझा किया गया है। उपरोक्त बैठक में ली? बैंक आफीसर श्री बीएस बघेल, नाबार्ड के जिला प्रबंधक श्रीमती जसप्रीत कौर के अलावा विभिन्न बैंको के प्रतिनिधि तथा विभागो के अधिकारी मौजूद रहे।

बदमाश ने कांच के टुकड़े से खुद का गला काटा

भोपाल में पुलिस की मौजूदगी में की वारदात, टीआई पर लगाए हत्या की कोशिश के आरोप

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल में राजा खटीक नाम के बदमाश ने खुद का गला काट लिया। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राजा खटीक 29 जून को हुए अमित वर्मा हत्याकांड में मुख्य गवाह है। ये घटना बुधवार रात की छोला मंदिर इलाके की है। जो गुरुवार को सामने आई। इस घटना को लेकर घायल बदमाश राजा खटीक ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया है। जिसमें उसने आरोप लगाया कि टीआई सुरेशचंद्र नागर और उनके स्टाफ ने उसका गला काटकर हत्या की कोशिश की है।

पुलिस ने इन तमाम आरोपों को झूठा बताया है। पुलिस का कहना है कि राजा ने पुलिस पर दबाव बनाने की नीयत से खुद ही कांच के टुकड़े से अपना गला काटने की कोशिश की है। राजा के खिलाफ पूर्व में कई आपराधिक केस शहर के अलग-अलग थानों में दर्ज हैं। जानकारी के मुताबिक राजा खटीक, अमित वर्मा की हत्या का मुख्य गवाह है। पुलिस की जांच में इस बात का भी खुलासा हुआ था कि मुख्य आरोपी नसीम बन्ने और वसीम खान, राजा की हत्या करना चाहते थे। निशाना चूकने के कारण गोली अमित को लगी और उसकी मौत हो गई। आरोपी राजा को क्यों मारना चाहते थे, उनकी उससे किस बात को लेकर दुश्मनी थी, इसकी तहकीकात करने के लिए राजा को पूछताछ के लिए थाने लाया गया था। इधर, वसीम को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस राजा और वसीम को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ करने वाली थी। इस पूछताछ से बचने के लिए राजा ने थाने के सामने वाहन से उतरते ही एक कांच के टुकड़े से खुद का गला रेतने की कोशिश की। हालांकि मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्काल ही उसे पकड़ लिया। जिससे उसे गंभीर चोट नहीं आई। डॉक्टर ने उसकी हालत को स्थिर बताया है।

हवाला लूट की रकम को लेकर है पूरा विवाद

पुलिस जांच में सामने आया था कि पिछले दिनों शहर में एकाएक कई हवाला लूटकांड हुए थे। टीटी नगर में हुए हवाला लूट की रकम के बंटवारे को लेकर अमित की हत्या के आरोपी वसीम के भाई और राजा के बीच कहासुनी हुई थी। इसी बात को लेकर आरोपियों और राजा के बीच विवाद था। राजा की हत्या के मकसद से नसीम और वसीम 29 जून को छोला मंदिर थाना क्षेत्र की लीलाधर कॉलोनी पहुंचे थे। पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्रा ने बताया कि अमित की हत्या के बाद मामले को गंभीरता से लिया था, केस की जांच एसआईटी कर रही है। अब तक दस आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। हत्याकांड की हर पहलु पर जांच की जा रही है।

अभाविप का 77वां स्थापना दिवस: डॉ. कैलाश राव ने बताया भारतीय संस्कृति का वैज्ञानिक महत्व

युवाओं ने लिया राष्ट्रहित के लिए कार्य करने का प्रण

भोपाल/नवप्रदेश। राजधानी में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस और संगठन के 77वें स्थापना दिवस पर अभाविप की ध्येय-यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें भोपाल के महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों से छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अभाविप की वैचारिक धारा, राष्ट्र निर्माण में उसके योगदान और वर्तमान पीढ़ी को सामाजिक-सांस्कृतिक जिम्मेदारियों से जोड़ना था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एसपीए भोपाल के निदेशक डॉ. कैलाश राव, अभाविप की राष्ट्रीय मंत्री कुमारी शालिनी वर्मा, महानगर अध्यक्ष शशिकांत पांडे और महानगर सहमंत्री आरती ठाकुर उपस्थित रहे।

हमारी संस्कृति में हर कला है विज्ञान

मुख्य अतिथि डॉ. कैलाश राव ने कहा, हमारी संस्कृति में हर कला विज्ञान है, इसलिए उसे शास्त्र कहा गया है। भारतीय पुरातत्त्व विलोपन द्वारा सृजन की परंपरा पर आधारित है, यानी जो आवश्यक नहीं है, उसे हटाकर सुंदर और विज्ञान-सम्मत रचना की जाती है। उन्होंने कहा कि विदेशी आक्रमणों ने हमें मानसिक रूप से गुलाम बनाने के लिए ऐसी थ्योरी गढ़ीं, जिनसे हमारी संस्कृति, भाषा और दर्शन को हीन साबित किया जा सके। एएसआई% जैसी संस्थाओं का मूल उद्देश्य भारत को समझना नहीं, बल्कि उसे वर्गीकृत कर शोषित करना था। डॉ. राव ने जोर दिया कि अगर हम 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र के रूप में देखना चाहते हैं, तो हमें भारतीय परंपरा और जीवन दृष्टिकोण के अनुसार विकास को परिभाषित करना होगा।

अभाविप एक विचारधारा की 77 वर्षीय राष्ट्र-यात्रा

अभाविप की राष्ट्रीय मंत्री कुमारी शालिनी वर्मा ने कहा कि अभाविप की 77 वर्षों की राष्ट्रवादी यात्रा को युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। अभाविप केवल एक छात्र संगठन नहीं, बल्कि एक विचारधारा है जो

पूर्व ईपीएफओ अधिकारी की 50 लाख की प्रॉपर्टी कुर्क

ईडी की उज्जैन और इंदौर में कार्रवाई; आय से अधिक संपत्ति मामले में एक्शन

भोपाल/नवप्रदेश। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की भोपाल टीम ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के पूर्व प्रवर्तन अधिकारी श्यामलाल अखंड और सहयोगियों की आवासीय और कृषि भूमि कुर्क की है। उज्जैन और इंदौर स्थित इस प्रॉपर्टी की कीमत करीब 50 लाख रुपए है। ये कार्रवाई आय से अधिक आमदनी के मामले में की गई है। ईडी ने गुरुवार को सोशल मीडिया X पर इसकी जानकारी दी। इसमें कहा गया है कि अखंड और अन्य के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में जांच की जा रही है। इसी सिलसिले में 8 जुलाई को उज्जैन के नलवा गांव स्थित कृषि भूमि और इंदौर के जख्या में एमरॉल्ड सिटी स्थित एक आवासीय भूखंड को कुर्क किया है। अखंड ने अवैध रूप से अर्जित आय का उपयोग स्वयं, अपनी पत्नी और बेटे के नाम पर अचल संपत्तियां खरीदने के लिए किया है। कुर्की की यह कार्रवाई पीएमएलए 2002 के प्रावधानों के अंतर्गत की गई है। ईडी अधिकारियों के मुताबिक, ईपीएफओ में नौकरी करते हुए 2009 से 2019 के दौरान अखंड ने वैध आय से कहीं अधिक संपत्ति बनाई है। इसके अतिरिक्त कई पारिवारिक बैंक खातों में नकदी भी जमा पाई गई। इसके लिए उन्होंने अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग किया। जांच से पता चला है कि वह रिश्वत मांगने जैसे भ्रष्ट आचरण में लिप्त थे। जांच में यह बात भी सामने आई है कि अखंड ने अपने वेतन, किराए की कमाई, खेती से आय, पत्नी के कढ़ाई और सिलाई व्यवसाय को आय का स्रोत बताया है। हालांकि, वे इसके दस्तावेजी सबूत पेश नहीं कर पाए। ईडी ने श्यामलाल अखंड के खिलाफ सीबीआई, ईओडब्ल्यू द्वारा दर्ज दो एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी। एक

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक यशवंत धोटे द्वारा हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित एवं फ्लैट नंबर 402 , कौशल्या विहार , नेपियर टाउन , 482001 से प्रकाशित, मो. 6262188999 (न्याय क्षेत्र जबलपुर) ।